RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ●07 जुलाई , 2024 वर्षः-12 अंक-70 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

भारी बारिश के चलते रोकी गई अमरनाथ यात्रा

अस्थायी रूप से लगाया ब्रेक, प्रशासन ने लिया फैसला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण शनिवार को अमरनाथ तीर्थयात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उत्तर और दक्षिण कश्मीर के दोनों बेस कैंप से चलने वाली यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश के कारण उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से यात्रियों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई है। बालटाल बेस कैंप से यात्रियों को गुफा मंदिर तक पैदल या टट्टुओं पर 14 किलोमीटर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है, जबकि पारंपरिक नुनवान

(पहलगाम) बेस कैंप से जाने वालों को 48 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जिसमें चार दिन एक तरफ से लगते हैं। पहलगाम-गुफा मंदिर मार्ग में पहलगाम से चंदनवारी (24 किलोमीटर), चंदनवारी से शेषनाग (13 किलोमीटर), शेषनाग से पंचतरणी (5 किलोमीटर) और पंचतरणी से गुफा मंदिर (6 किलोमीटर) शामिल हैं। 14 किलोमीटर लंबे बालटाल बेस कैंप मार्ग से जाने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर 'दर्शन' के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। अमरनाथ गुफा मंदिर में शुक्रवार को 20 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए, जिससे अब तक बर्फ के प्राकृतिक रूप से निर्मित शिवलिंग के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 1.50 लाख से अधिक हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

कुरान पढ़ाने वाले पजशकियान बने ईरान के नए राष्ट्रपति

इराक से जंग लड़ी

● कट्टरपंथी जलीली को 30 लाख वोट से हराया

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में मसूद पजशकियान देश के 9वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को 30 लाख वोटों से हराया। ईरान में शुक्रवार को दूसरे चरण की वोटिंग हुई थी। इसमें करीब 3 करोड़ लोगों ने मतदान किया था। ईरानी स्टेट मीडिया के मुताबिक, पजशकियान को 1 करोड़ 64 लाख वोट मिले, जबकि जलीली को 1

करोड़ 36 लाख वोट हासिल हुए। पजशकियान डॉक्टर होने के साथ-साथ कुरान भी पढ़ाते हैं। 5 जुलाई को 16 घंटे तक चली वोटिंग में देश की करीब 50 फीसदी (3 करोड़ से ज्यादा) जनता ने वोट डाला था। आधिकारिक समय के मुताबिक, मतदान शाम 6 बजे खत्म होना था। हालांकि, बाद में इसे रात 12 बजे तक बढ़ा दिया गया था। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की 19 मई को हेलीकॉप्टर क्रैश में मौत के बाद देश में राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा की गई थी। ईरान में पहले चरण की वोटिंग 28 मई को हुई थी।

राजधानी में सीएम ने मां के नाम से लगाया पौधा

बोले-1 पेड़ 10 बेटों के बराबर, मंत्री और सांसद-विधायकों ने भी रोपे पौधे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को भोपाल के जंबूरी मैदान में मां के नाम से आंवले का पौधा रोपा। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की। सीएम ने कहा, प्रदेशभर में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। भोपाल-जबलपुर में 12-12 लाख, इंदौर में 14 जुलाई तक 51 लाख पौधे लगाने का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा, वृक्ष की वेदों में महत्ता बताई गई है। 10 कुंओं के बराबर एक बावड़ी, 10 पौधे बराबर एक बावड़ी, 10 पुत्रों के बराबर एक वृक्ष की मान्यता है। देश का 35 प्रतिशत वन हमारे मध्यप्रदेश में है। हर व्यक्ति एक पेड़ अपनी मां के नाम पर लगाए। जंबूरी मैदान में हुए कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, राज्यमंत्री राधा सिंह, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, महापौर मालती राय, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष का महत्व दस पुत्रों के बराबर माना गया है। वनस्पति के साथ-साथ नदी, पहाड़ आदि को जीवंत मानना हमारी संवदेनशील सांस्कृतिक परम्परा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आहवान पर पूरे देश में संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत राज्य शासन ने भी प्रदेश में वृहद वृक्षारोपण का संकल्प लिया है। इस क्रम में प्रदेश में 5 करोड़ 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। इंदौर में 51 लाख, भोपाल और जबलपुर जिले में 12-12 लाख पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जंबूरी मैदान पर आयोजित एक पेड़ मां के नाम-वृहद पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

युगदृष्टा डॉ. मुखर्जी का देश रहेगा सदा आभारी: सीएम

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह का किया लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी युगदृष्टा थे। उन्होंने देश के सामने मौजूद समस्याओं का पूर्वानुमान लगाकर देश की एकता बनाए रखने और देशवासियों को जागरुक करने का अद्भुत कार्य किया। अंग्रेजों के बंग-भंग के षड़यंत्र का भंडाफोड़ करने और कश्मीर की समस्या के दूरगामी दुःखद परिणामों से जन-जन को अवगत कराने के लिए देश उनका सदैव आभारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के विकास भवन में निर्मित डॉ. श्यामा

प्रसाद मुखर्जी सभागृह के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. मुखर्जी की आज जयंती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनकी स्मृति में विकास भवन में मंत्रोच्चार के बीच पौध-रोपण किया तथा शिलापट्टिका का अनावरण कर सभागृह का लोकार्पण किया।

उन्होंने सभागृह में निर्मित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र का भी अनावरण किया।

तमिलनाडु बसपा प्रदेश अध्यक्ष की घर के बाहर हत्या

6 बाइक सवारों ने चाकू-तलवारें मारीं, 8 संदिग्ध हिरासत में, चेन्नई में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की शुक्रवार की शाम उनके घर के बाहर छह हमलावरों ने हत्या का दी। पुलिस के अनुसार, 52 साल के आर्मस्ट्रॉन्ग शाम करीब 7 बजे चेन्नई स्थित सेम्बियम इलाके के वेणुगोपाल स्ट्रीट पर अपने घर के कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह लोग आए और उन पर चाकू-तलवारों से हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर भाग गए।

आर्मस्ट्रॉन्ग गंभीर रूप से घायल हुए थे। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अब तक 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से चेन्नई में तनाव की स्थिति है। शनिवार को सैकड़ों की संख्या में बसपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने राजीव गांधी सरकारी अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया, जहां आर्मस्ट्रॉन्ग का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया है। प्रदर्शनकारियों ने मामले की सीबीआई जांच और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की।

विरोध-प्रदर्शन के कारण अस्पताल के बाहर मेन रोड पर भीषण जाम लग गया। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल में घुसने की कोशिश में बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। चेन्नई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आर्मस्ट्रॉन्ग पर हमला करने वाले छह में से चार हमलावरों ने फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो की टी-शर्ट पहन रखी थी। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। घटना के बाद बसपा नेता के घर के सामने धारदार हथियार और खून फैला दिखा।

हाथरस भगदड़ कांड से ओडिशा पुलिस ने सीखा सबक

● जगन्नाथ यात्रा में भीड़ मैनेंजमेंट के लिए बनाया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले सप्ताह मंगलवार को यूपी के हाथरस में एक सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसकी चपेट में आने के चलते 122 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद से ही भीड़ को मैनेजमेंट को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच रविवार को ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की यात्रा निकाली जानी है, जिसमें 1 2 या तीन नहीं बल्कि 10 लाख से भी ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल

होने की उम्मीद है। ऐसे में भीड़ मैनेजमेंट को लेकर ओडिशा की पुलिस ने हाथरस हादसे से सबक लिए हैं और जानकारी के मुताबिक इसके लिए पुलिस एआई का भी इस्तेमाल करने वाली है। जानकारी के मुताबिक भगवान जगन्नाथ की यात्रा के दौरान पुरी में भीड़ को मैनेज करने के लिए पुलिस एआई वाले कैमरों का इस्तेमाल करने वाली है, जिसके जरिए पुलिस भीड़ को आसानी से मैनेज कर सके। बता दें कि इस यात्रा में दुनियाभर के लोग दर्शन करने आते हैं।

एसजीपीसी की कंगना रनोत के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग

● हिमांचल सरकार को चेताया, कहा-पंजाबियों को ना करें परेशान

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की बैठक में हिमाचल प्रदेश से नवनिर्वाचित सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौट के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग रखी है। एसजीपीसी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि कंगना के खिलाफ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुए विवाद के बाद सिखों के बारे में कहे शब्दों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। एसजीपीसी प्रधान ने कहा कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट विवाद के बाद बीएसएफ जवान सिख युवती का तो ट्रांसफर कर दिया गया, लेकिन कंगना रनौट के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, हिमाचल प्रदेश में पंजाबियों व सिखों के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर सरकार को सोचना चाहिए।

अभी जेल में ही रहेंगे सिसोदिया, कोर्ट से फिर लगा झटका

5 अप्रैल को एएपी नेता ने तिहाड़ से लिखा था-जल्द बाहर आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका लगा है।

कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत सीबीआई के मामले में बढ़ाई गई है। आज यानी 6 जुलाई को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद सीबीआई ने उन्हें कोर्ट में पेश किया था। जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने एएपी नेता की न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी। सीबीआई की गिरफ्तारी के बाद सिसोदिया पिछले साल 26 फरवरी से हिरासत में हैं। इसके बाद ईडी ने उन्हें अरेस्ट कर लिया था। इससे पहले बुधवार को दिल्ली की एक कोर्ट ने मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के. कविता की ज्यूडिशियल कस्टडी 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। इसी के साथ कोर्ट ने ईडी को आरोपी व्यक्तियों को दो दिनों के भीतर चार्जशीट और दस्तावेजों की कापियों उपल्बध कराने का निर्देश दिया था।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर पत्नी सुनीता का बड़ा खुलासा

● एनडीए के सांसद एमएसआर का लिया नाम, कहा-उन्होंने झूठा बयान दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले पर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गहरी राजनीतिक साजिश का शिकार हुए, गवाह के झूठे बयान पर ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया। उन्होंने वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि क्या आपको पता है कि सीबीआई ने केजरीवाल को गिरफ्तार क्यों किया है। उनकी गिरफ्तारी एनडीए के एक सांसद के बयान पर गिरफ्तार किया है। उनका नाम है मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी है।

लापता 2 लेडी कॉन्स्टेबलों के लिए बांग्लादेश बॉर्डर पर अलर्ट

ग्वालियर की टेकनपुर छावनी में पदस्थ थीं, एक के खिलाफ किडनैपिंग का केस

भोपाल। बीएसएफ (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) की 2 लेडी कॉन्स्टेबल की तलाश में पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश बॉर्डर पर निगरानी बढ़ाई गई है। दोनों करीब एक महीने से लापता हैं। इनमें आकांक्षा निखर जबलपुर और शहाना खातून पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद की रहने वाली है। शहाना पर आकांक्षा के अपहरण का केस दर्ज किया गया है।

दोनों ग्वालियर के टेकनपुर छावनी में पदस्थ थीं। उनकी आखिरी लोकेशन पश्चिम बंगाल बॉर्डर पर मिली है। बीएसएफ ग्वालियर, बीएसएफ पश्चिम बंगाल, ग्वालियर की एसआईटी और इंटेलीजेंस की टीमें दोनों को तलाश रही

हैं। चिंता इसलिए भी है कि टेकनपुर में वे एसटीसी (सहायक प्रशिक्षण सेंटर) में 2021 से पदस्थ रही हैं। दोनों युद्ध कौशल, बॉर्डर पर सुरक्षा और वहां से सुरक्षित निकलने में माहिर हैं। शहाना और आकांक्षा के बीच गहरी दोस्ती है। बीएसएफ ने बिलौआ थाने और शहाना के परिजन ने मुर्शिदाबाद थाने में गुमशुदगी दर्ज करा रखी है। आकांक्षा की मां ने मंगलवार को पुलिस की जनसुनवाई में एसपी के सामने गुहार लगाई थी। उन्होंने एसपी धर्मवीर सिंह के सामने कहा था कि बेटी की जान को खतरा है।

लापता दोनों महिला आरक्षक बीएसएफ की एसटीसी (सहायक प्रशिक्षण सेंटर) विंग के कम्प्यूटर सेक्शन में हैं। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की सुरक्षा प्लानिंग उन्हें पता है, इसलिए बीएसएफ के अधिकारियों की नींद उड़ी हुई है। अफसरों को आशंका है कि दोनों सरहद पार जा सकती हैं, इसलिए सिक्योरिटी फोर्स की इंटेलीजेंस टीम बांग्लादेश बॉर्डर पर नजर रखे हैं।

सिमी आतंकियों के एनकाउंटर का बदला लेना चाहता था फैजान

● कश्मीर-पठानकोट के आर्मी एरिया की रेकी कर चुका था; तीन साल में 14 बार ऐसा किया

भोपाल। मध्यप्रदेश एटीएस (एंटी टेररिज्म स्क्वॉड) ने खंडवा से प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के संदेही फैजान शेख को गिरफ्तार किया। आरोपी पांच दिन की रिमांड पर है।

पूछताछ में फैजान ने बताया कि वह सिमी के आठ आतंकियों के एनकाउंटर का बदला लेना चाहता था। फैजान ने एटीएस से कहा कि उसका एक ही मकसद था, सुरक्षा बल और उनके परिजन को नुकसान पहुंचाना। इसके लिए कश्मीर, पठानकोट, मुंबई और दिल्ली में सुरक्षा बल के ठिकानों की रेकी कर चुका था। पिछले तीन साल में 14 बार इन शहरों में आर्मी एरिया की रेकी की है।

हर घर में उल्टी दस्त के मरीज- गांव के 80 फीसदी लोग पी रहे ट्यूबवेल का पानी

● 250 पार पहुंचा मरीजों का आंकड़ा

सागर। मध्यप्रदेश के सागर के मेहर गांव में पंचायत के लगे बोर का पानी पीने से डायरिया फैल गया है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि हर घर में उल्टी-दस्त के मरीज हो गए हैं। वहीं किसी घर के तो सभी सदस्य ही बीमार हो गए हैं। गांव में डायरिया के मरीजों का आंकड़ा 250 के पार पहुंच गया है। इनमें ज्यादातर लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं। इनमें से एक शख्स की तो मौत हो गई। मरीजों की संख्या इतनी हो गई है कि अस्पतालों में पलंग कम पड़ गए हैं। करीब 70 मरीजों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। बाकी के मरीजों का इलाज ख्रक्ष्ट और प्राइवेट अस्पतालों में चल रहा है। भर्ती मरीजों में बच्चों से लेकर महिलाएं और बुजुर्ग हैं। स्थिति गंभीर देख गांव में दहशत फैल गई है। सभी लोग घबराए हुए हैं। मरीजों की संख्या को बढ़ती देख इलाज के लिए उप स्वास्थ्य केंद्र मेहर, आयुर्वेदिक अस्पताल और छात्रावास को अस्थाई अस्पताल बनाया है। यहां 30 से ज्यादा पलंग लगाकर मरीजों को भर्ती किया गया है। गांव वालों की तबीयत खराब होने के पीछे की वजह गंदा पानी बताया जा रहा है। गांव वाले ट्यूबवेल का पानी पीने से

उल्टी-दस्त का शिकार हुए हैं। हालांकि गांव के कुछ लोग पानी से उस्टी-दस्त की बात से मुकर रहे हैं। उनका कहना है कि वे करीब 30 साल से ट्यूबवेल का पानी पी रहे हैं। इससे पहले बोर का पानी पीने से कोई बीमार नहीं पड़ा। यदि गांव के लोग बोर के पानी से उल्टी-दस्त का शिकार होते तो गांव में सिर्फ तीन मोहल्ले आदिवासी मोहल्ला, ऊपर टोला, रविदास वार्ड नारायणपुर में ही सबसे ज्यादा लोग बीमार हुए हैं।

मामले में प्रशासन ने बताई ये वजह

वहीं गांव में हर घर उल्टी-दस्त का मरीज होने से जिला प्रशासन का कहना है कि पानी की वजह ही लोगों के बीमार होने की संभावना है। ट्यूबवेल को 7 दिनों के लिए बंद दिया गया है। जांच के लिए पानी के सैंपल भेजे गए हैं, जांच रिपोर्ट में ही खुलासा होगा।

गांव के 80 फीसदी लोग पी रहे ट्यूबवेल का पानी

बता दें कि मेहर गांव की करीब 5 हजार की आबादी है, जिसमें से 80 प्रतिशत आबादी सरकारी ट्यूबवेल से पानी पीते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे करीब 30 साल से इसी बोर का पानी पी रहे हैं। मेहर निवासी लल्लन बंसल उम्र 40 साल उल्टी-दस्त से ग्रसित हुए, इसके बाद इलाज के दौरान गुरुवार 4 जुलाई को मौत हो गई। बता दें कि लल्लन मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उल्टी-दस्त से ग्रसित हुए मरीज लल्लन बंसल उम्र 40 साल निवासी मेहर की इलाज के दौरान गुरुवार रात बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। लल्लन के चार बच्चे 2 बेटी और 2 बेटे हैं, जिनका वह मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करता था। मृतक के चचेरे भाई मूलचंद बंसल के मुताबिक, परिवार के 8 लोग उल्टी-दस्त की वजह से हॉस्पिटल में भर्ती हैं। लल्लन की अचनाक तबीयत बिगड़ी और हाथ-पैर अकड़ने लगे। हॉस्पिटल में भर्ती किया को उचित इलाज नहीं मिला। इसके बाद लल्लन की मौत हो गई। अब परिवार को अस्पताल में भर्ती बच्चों और अन्य लोगों की चिंता है।

कलेक्टर और SP पर भड़के केंद्रीय मंत्री सिंधिया, जनता के सामने ही लगा दी क्लास

गुना। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने आक्रामक तेवर के लिए जाने जाते हैं काम में लापरवाही को लेकर वे पहले भी खुले मंच से अफसरों को फटकार लगा चुके हैं। अब एक बार फिर उन्होंने अव्यवस्था को लेकर कलेक्टर और स्लक को जमकर फटकारा है। सिंधिया ने उनसे कहा कि ÷ऐसा नहीं चलेगा, सिस्टम बनाकर रखने के लिए कहा गया था तो उसे बनाकर रखिए।÷ इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है दरअसल केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना और बमोरी के दौरे पर पहुंचे थे। इस बार उन्होंने एक बार फिर कलेक्टर-एसपी को लोगों की भीड़ के बीच तलब कर लिया। सिंधिया सर्किट हाउस में लोगों से आवेदन ले रहे थे जहां बारिश से बचने के लिए जिला प्रशासन ने एक पंडाल लगाया था। पंडाल का आकार छोटा होने के चलते सिंधिया ने नाराजगी जाहिर की और अगले दौरे पर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया शुक्रवार रात ही गुना पहुंच गए थे। उन्होंने रात्रि विश्राम गुना के सर्किट हाउस में किया। सुबह करीब 10 बजे बमोरी जाने से पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके आवेदन लेना शुरु कर दिया। इस दौरान लोगों की भीड़ ज्यादा थी, इसलिए अधिकांश लोग पांडाल से बाहर ही खड़े रह गए। बीच-बीच हो रही बूंदाबांदी के चलते सिंधिया के सामने खड़ी भीड़ में कई लोगों के हाथ में छाते भी देखे गए। कुछ लोग बारिश में भींगते हुए भी नजर आए। इन अव्यवस्थाओं को देखकर सिंधिया का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया। उन्होंने भीड़ के बीच ही कलेक्टर-एसपी को अपने चिर-परिचित अंदाज में आवाज लगाकर पूछा कि कलेक्टर-एसपी कहां है। थोड़ी ही देर बाद कलेक्टर डॉ. सतेंद्र सिंह सिंधिया से सामने उपस्थित हो गए। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कलेक्टर को हिदायत दी कि अगले बार से पंडाल से बड़ा लगाया जाए, ताकि जनता को किसी तरह की परेशानी न हो।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भीड़ या मंच से जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को इस तरह तलब किया हो। इससे पहले भी लक्ष्मीगंज में आयोजित हुई एक सभा के दौरान सिंधिया तत्कालीन कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस को इसी तरह बुला चुके हैं। तब यह मामला काफी सुर्खियों में रहा था।

भाजपा नेता ने की हवाई पट्टी, अवैध कॉलोनी एवं डिजीटल नामान्तरण की मुख्यमंत्री से शिकायत

टीकमगढ़। विगत दिवस सद्गुरू प्राकट्य उत्सव में जिले के छिपरी प्रवास पर आये यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भाजपा नेता विकास यादव ने तीन सूत्रीय शिकायत पत्र सौंपा है। पत्र में श्री यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बताया कि जिले की जनता पिछले 40 वर्षों से टीकमगढ़ की पावन धरा पर हवाई जहाज उतरने का स्वप्न देख रही है। जिसके लिये हवाई पट्टी का निर्माण कराया जाना आवश्यक है और इसके निर्माण के लिये जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित प्रारूप में प्रस्ताव रा'य शासन को प्रेषित किया गया है जो स्वीकृति के लिये आज भी लंबित है जबकि इसकी स्वीकृति के लिये केन्द्रीयमंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार एवं केन्द्रीयमंत्री श्रीमंत 'योतिरादित्य

सिंधिया भी तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिख चुके हैं, साथ ही विकास यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बताया कि टीकमगढ़ नगर के कलेक्ट्रट के सामने महावीर स्कूल के बगल में शासकीय नाले पर तखा ग्राम पंचायत में अवैध कॉलोनी बनाई गई है। जिसकी शिकायत पूर्व में की गई थी जिस पर कार्यवाही के लिये रेरा, नगर तथा ग्राम निवेश से लेकर रा'य शासन तक जिला प्रशासन को निर्देश दे चुका है, लेकिन जिला प्रशासन एवं कालोनाईजर की सांठ-गांठ के कारण इन अवैध कालोनाईजर के विरूद्ध कार्यवाही नहीं हो पा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री द्वारा सभी वर्गों एवं कृषकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सबसे पहले घोषणा की गई थी कि किसी मकान, जमीन, प्लॉट एवं कृषि भूमि के विक्रय उपरान्त जिला पंजीयक कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार तुरन्त ही इसका नामान्तरण कर दिया जायेगा, लेकिन जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण जिले की जनता को शासन की इस जनहितैशी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है जिस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री यादव को जल्द ही कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है।

प्रदेश सरकार के बजट के खिलाफ भाकपा का विरोध प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विगत 3 जुलाई को विधानसभा में प्रस्तुत बजट की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद ने कल 6 जुलाई को स्थानीय इतवारा क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भाकपा नेता कॉमरेड शैलेन्द्र शैली, कॉमरेड शिव शंकर मौर्य, कॉमरेड ए एच सिद्दीकी ने बजट में महंगाई, गरीबी एवं बेरोजगारी को कम करने के लिए कोई प्रभावकारी नीतियां नहीं होने पर प्रदेश सरकार की निंदा की । भाकपा नेताओं ने समान काम का समान वेतन देने, न्यूनतम

सम्मानजनक वेतन देने, निजीकरण, ठेकेदारी समाप्त करने, पेट्रोलियम पदार्थों पर टैक्स कम करने, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा करने और नफरत की राजनीति समाप्त करने की मांग की । इस विरोध प्रदर्शन में कॉमरेड मुन्ने खां, फिदा हुसैन, सईद खां, नवाब उद्दीन , बी पी मिश्रा, सरवन, राजू खान, असलम, अजीत ,महेश, नरेश, हनीफ सहित अनेक सदस्य शामिल हुए।

नीति आयोग द्वारा तय किये गये 06 इंडिकेटर में शत-प्रतिशत पूर्णता लाई जायेगी:प्रभारी कलेक्टर

जनप्रतिनिधियों ने वितरित किये विभिन्न विभागों के हितलाभ एवं प्रमाण पत्र

दमोह। नीति आयोग को यह जिम्मेदारी सौंपी थी, लगभग 07 साल पुराना आंकड़ा हैं, जिसमें दमोह अ'छे जिलों के मापदंडों से नीचे था, ऐसे जिलों को आकांक्षी जिले के रूप में रखा गया हैं। अब दमोह जिला छठवें नंबर पर आ गया है, और प्रयास किये जा रहे हैं जिसमें पूरा प्रशासन इस दिशा में कार्य कर रहा हैं। इसलिये आज यह कार्यक्रम किया गया हैं, जो मापदंड है, उनको बढ़ाये। इस आशय की बात प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग रा'य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने मानस भवन में आयोजित सम्पूर्णता अभियान के दौरान व्यक्त किए।

पशुपालन रा'य मंत्री श्री पटेल ने कहा हमारा जिला नीति आयोग के मापदंड के बराबर पर आ जाए इसके लिए यह कार्यक्रम ×0 सितंबर तक चलाया जा रहा हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं भगवान धनवंतरी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया गया।

इस दौरान दमोह विधायक एवं पूर्व वित्तमंत्री जयंत कुमार मलैया ने कहा भारत सरकार और मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार ×0 सितंबर तक तीन माह संपूर्णता अभियान चलाया जाएगा। आज से इस अभियान को प्रारंभ किया गया हैं। संपूर्णता अभियान का उद्देश्य आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों जिसमें दमोह जिला और तेंदूखेड़ा ब्लॉक शामिल है, इनमें चिन्हित इंडिकेटर स्वास्थ्य, टीकाकरण, कृषि, सामाजिक विकास और शिक्षा इस प्रकार के 06 इंडिकेटर लिये गये हैं, जिससे हमारा जिला और तरक्की कर सकें। श्री मलैया ने कहा मेरी शुभकामनाएं है, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में तेजी से काम चलेगा, नीति आयोग से जो अधिकारी आए हुए हैं, दमोह के सभी लोगों की ओर से उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं जिस काम के लिए वह आए हैं,

उस कार्य को सभी मिलकर अ'छे से पूरा करेंगे।

जिला भाजपा अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने कहा नीति आयोग 2018 से देशभर में काम कर रहा है, उस समय दमोह की निचले पायदान से दूसरे नंबर पर गिनती होती थी, लेकिन जिला प्रशासन और नीति आयोग के अधिकारियों के माध्यम से दमोह जिले में सभी क्षेत्रों में काम करना प्रारंभ किया। आज हम दूसरे देश भर में दूसरे क्रम पर है, निश्चित ही यह हमारे दमोह जिले के अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना करने का विषय है, सभी ने बड़ी मेहनत की है उस मेहनत के साथ दमोह जिले को दूसरे पायदान पर लाकर देश भर में खड़ा किया है। उन्होंने कहा नीति आयोग और प्रदेश सरकार के माध्यम से सभी क्षेत्रों में काम करते हुए इसे संपूर्णता अभियान का नाम दिया गया है, संपूर्णता अभियान में हम कैसे संपूर्ण रूप से विकसित हो, समृद्ध हो इसके लिये यह सारे के सारे कार्यक्रम नीति आयोग के माध्यम से चलाए गए हैं।

प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने कहा संपूर्णता अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित 06 इंडिकेटर हैं, जिनमें नीति आयोग द्वारा चुने गये आकांक्षी जिला और आकांक्षी ब्लॉक इन इंडिकेटर में शत-प्रतिशत पूर्णता प्राप्त करें। दमोह जिला आकांक्षी जिला और तेंदूखेड़ा ब्लॉक आकांक्षी ब्लॉक हैं। हम इन पर फोकस करके इनको आगे लायेगें। स्वास्थ्य विभाग में ब्लॉक की बात करेंगे तो जो प्रसूतियों की प्रारंभिक जांच, जो पहली तिमाही में होनी चाहिए, महिला बाल विकास में टेक होम राशन जो धात्री महिला और गर्भवती महिलाओं को दिया जाता है, कृषि के क्षेत्र में जो किसान भाई हैं, उनके लिए स्वाईल हेल्थ कार्ड यानी मृदा परीक्षण कार्ड सभी किसानों को वितरित किये जाये।

श्री वर्मा ने कहा एस.एन.जी.ओ. की दीदीयां को फंड प्रोवाइड करना, उनके समूह को सुचारू रूप से चलाना। इस प्रकार से 6 इंडिकेटर नीति आयोग ने तय किए हैं, जिनमे हमें शत-प्रतिशत पूर्णता लानी है, जो भी सरकार के टारगेट है उनको जुलाई, अगस्त और सितंबर इन तीन महीनों में शत-प्रतिशत पूर्ण किया जायेगा। दमोह जिला आकांक्षी जिले में आता है। संपूर्णता अभियान की तैयारी पूर्व से ही प्रारंभ कर दी गई थी, जिसकी अ'छी स्ट्रेटजी बन चुकी हैं। यह सरकार का अभियान है और विभाग का जो नीचे का अमला है इस अभियान के महत्व को समझे। श्री वर्मा ने कहा × महीने में यह 6 इंडिकेटर सैचुरेट कर पाए। सरकार की योजनाएं है किसी भी योजना पर शत-प्रतिशत सैचुरेशन करना अपने आप में अ'छी बात होती है।

उन्होंने कहा जिला पंचायत को मध्य प्रदेश में छटवां स्थान मिला है, वह इसलिए मिला है कि जिला प्रशासन ने सारी योजनाओं पर अ'छा काम किया है, इसी तरह यह निर्णय लिया है कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, टीकाकरण इन सब क्षेत्रों में शत-प्रतिशत काम किए जाएंगे और यह अगले × महीने में ईनश्योर करेंगे और दमोह जिले के सारे टारगेट पूर्ण किए जायेंगे। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश के रा'यमंत्री श्री पटेल ने महिला बाल विकास विभाग एवं कृषि विभाग द्वारा लगाये गये स्टॉल का अवलोकन किया। इसी दौरान स्वास्थ्य विभाग, एनआरएलएम सहित अन्य विभागों ने स्टॉल लगाकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा सभी नए जोड़ों को नई पहल किट, छात्र-छात्राओं को निशुल्क पुस्तक वितरण,

राज्यपाल का अनोखा अंदाज जमीन पर बैठ पत्ते के दोना-पत्तल में भोजन का उठाया लुत्फ

गंजबासौदा (विदिशा)। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने कल शनिवार को विदिशा जिले के गंजबासौदा पहुंचे जहां उन्होंने आदिवासी ग्राम डिंडोली में प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया. कार्यक्रम खत्म होने के बाद राज्यपाल अर्जुन आदिवासी के घर पहुंचे, जहां उन्होंने जमीन पर बैठकर पत्तों से बनी दोना-पत्तल में भोजन का लुत्फ उठाया राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने संपूर्णता अभियान का शुभारंभ करते हुए कई लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिया. कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. वहीं, राज्यपाल ने पौधारोपण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश 'एक पौधा मां' के नाम का संकल्प दिलाया और सभी को वृक्षारोपण करने का संदेश दिया. इसके अलावा उन्होंने डिंडोरी के में पहुंचकर छोटे-छोटे बच्चों के साथ संवाद किया।

5 शावकों के साथ चीता 'गामिनी' ने की मस्ती, बारिश का लिया मजा

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर में बारिश से मौसम खुशहाल हो गया है। बरसात से न सिर्फ इंसानों को राहत मिली है, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के नामीबिया से आए चीतों को भी भा रहा है कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी ने अपने पांच शावकों के साथ इस मानसून का मजा लिया। उन्होंने जमकर मस्ती की।केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट कर लिखा, ÷चीता गामिनी अपने पांच शावकों के साथ सुबह कुनो नेशनल पार्क में बारिश का आनंद ले रही है साथ मिलकर वे प्रकृति के मौसमी आलिंगन के बीच पारिवारिक सौहार्द की एक चिरस्थायी कहानी बुनते हैं।÷ केंद्रीय वन मंत्री के वीडियो को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शेयर किया है। उन्होंने लिखा, ÷प्रकृति की खूबसूरती अपने चरम पर! कुनो नेशनल पार्क में चीता गामिनी और उसके पांच शावकों को बारिश में मस्ती करते देखना दिल को छू लेने वाला है और जंगल में पाए जाने वाले सामंजस्य और लचीलेपन की याद दिलाता है।÷

इस साल मार्च महीने में अफ्रीकी मादा चीता 'गामिनी' ने कूनो राष्टीय उद्यान में छह शावकों को जन्म दिया था। 14 शावकों के साथ कूनो नेशनल पार्क में चीतों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। पिछले साल मार्च में मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। लेकिन उनमें से केवल एक ही जीवित बच पाया। ज्वाला ने इस साल जनवरी में अपने दूसरे चार शावकों को जन्म दिया। इसके बाद चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया।

स्कूल वाहन पटलने से 7 बच्चे घायल,ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज

शाजापुर। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले से हादसे की खबर सामने आई है जहां कल शनिवार को एक स्कूल वाहन पलट गया. इस दुर्घटना में 7 बच्चे घायल हो गए. सभी को इलाज के लिए अस्पताल में एटमिट करवाया गया है. वहीं इस मामले में वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है यह घटना शुजालपुर अनुभाग में अकोदिया- शुजालपुर मार्ग की है जहां गोवंश को बचाने के चक्कर में वेयर हाउस के पास शारदा कान्वेंट स्कूल का वाहन पलट गया. जिससे वाहन सवार छात्र-छात्राओं में चीख पुकार मच गई जबकि इस हादसे में 7 बच्चे घायल हो गए हादसे के दौरान वाहन में करीब 17 बच्चे बैठे हुए थे किसी तरह घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया इधर, दुर्घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन अस्पताल पहुंचे वहीं अस्पताल पहुंचे एसडीओपी पिंटू कुमार बघेल अकोदिया थाना पुलिस और घटना के संबंध में जानकारी ली. इस मामले में पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ ख्रद्धक्रदर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।

उमरिया:'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में लगाए 2 हजार पौधे

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार उमरिया जिले में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 2 हजार पौधे लगाए गए। इसके साथ ही यहां लोगों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानून के बारे में जानकारी भी दी।जिले के ग्राम पंचायत पठारी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 2 हजार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में संभाग कमिश्नर बीएस जामोद और छ्वक्कडीसी सागर ने छात्र छात्राओं और ग्रामीणों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानून के बारे में जानकरी भी दी।इस दौरान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उमरिया जिले में 12 लाख 50 हजार वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान जिले में 15 जुलाई तक चलेगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण वर्ष-2024 का प्रशिक्षण संपन्न

दमोह। रा'य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जारी कार्यक्रम अनुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हटा के मार्गदर्शन में शासकीय उत्कृष्ट उ'चतर माध्यमिक विद्यालय पटेरा में तहसील पटेरा की नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण वर्ष 2024 का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड से एक-एक प्राधिकृत कर्मचारी और एक-एक सहयोगी प्राधिकृत कर्मचारी एवं तहसील की साठों ग्राम पंचायतों में प्रत्येक ग्राम पंचायत से एक-एक प्राधिकृत कर्मचारी और दो-दो सहयोगी प्राधिकृत कर्मचारियों को प्रशिक्षण तहसील कार्यालय पटेरा के मार्गदर्शन में दिया गया। रा'य स्तरीय मास्टर ट्रेनर मुकेश गूजरे ने प्रशिक्षणार्थियों को विशेष मार्गदर्शन दिया, प्रशिक्षण में तहसील कार्यक्रम पटेरा से कदीर बाबू और कम्प्यूटर आपरेटर प्रमोद पटैल उपस्थित रहे।

8.07 एकड़ मंदिर की भूमि के साथ हुई हेरा फेरी, निजी नाम से हुई दर्ज

हटा। हटा ब्लॉक से करीब चार-पांचकिलोमीटर की दूरी पर ग्राम सोजना तहसील पटेरा के अंतर्गत ताड़केश्वर मंदिर की जमीन को निजी भूमि बना लेने की शिकायत हटा एसडीएम को डॉक्टर गोपाल कुसमरिया ने की है शिकायत में उल्लेखहै कि वर्ष 1954-55 में 11 खसरानंबरों मैं कुल रकवा ×8.07 एकड़ जमीन मंदिर तारकेश्वर नाथ महत्म दुर्गाप्रसद पिता परसोत्तम के नाम से दर्ज थी इसके बाद 1978 79 में खसरा नंबरों को परिवर्तित कर दिया गया और दो खसरा नंबर 442 एवं 466 कुल रखवा ×8.07 एकड़ पर मंदिर श्री तारकेश्वर नाथ जी बांके मौजा हटा महतम केशव प्रसाद साकिन हटा भूमि स्वामी प्रबंधक कलेक्टर दमोह के नाम से दर्जथी इसके बाद 1985 में अनुविभागीय अधिकारी हटा के राजस्व प्रकरण क्रमांक 7 अ/6 वर्ष 198× 84 के आदेश का हवाला देकर निजी भूमि घोषित करदी गई।

बजरंग बली के सामने एक करोड़ पेड़ लगाने का संकल्प लिया था- कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मन में हनुमान जी से बात हुई। एक करोड़ पेड़ लगाने का बजरंगबली के सामने संकल्प लिया था लेकिन उन्होंने कहा- ज्यादा हो जाएंगे इसलिए 51 लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है।इंदौर के पित्र पर्वत आश्रम पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत हुई। इसी दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। बड़ी संख्या में साधु संत पहुंचे थे। इसी दौरान कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव मौजूद रहे। इस दौरान मंच से कैलाश विजयवर्गीय ने कहा इसी रोड से गुजरते समय हनुमान जी के सामने संकल्प लिया था कि एक करोड़ पेड़ लगाएंगे लेकिन मन में उन्होंने कहा ज्यादा हो जाएंगे तो हमने 51 लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। इंदौर में 51 लाख पेड़ लगाने के बाद इंदौर का 5 डिग्री तक तापमान कम होगा। यह संकल्प संतों और आम लोगों के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता है लेकिन यह संकल्प जरूर पूरा होगा।

इंदौर : मरीजों को मिलेगी फ्री एयर एंबुलेंस सेवा,पी.एम. श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया

इंदौर। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस के माध्यम से अत्यंत गंभीर रोगियों/दुर्घटना पीड़ितों को प्रदेश/देश के उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में त्वरित विशेष चिकित्सकीय उपचार हेतु त्वरित परिवहन सुविधा प्रदायगी को दृष्टिगत रखते हुए पी.एम. श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया है बैठक में सेवाओं की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। %पी.एम. श्री एयर एम्बुलेंस सेवा को बुक करने की प्रक्रिया के संबंध में बताया गया कि, सबसे पहले आम नागरिकों को अपने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या मो.नं.(7869290702) को कॉल करके अपनी आपातकाल स्थिति से अवगत कराना होगा। उक्त अधिकारी प्रकरण को समझ कर अपने उच्च अधिकारी से अनुमोदन लेगें। इसके अलावा ÷आईकेट एयर एम्बुलेंस कमांड सेंटर÷ के फोन नंबर 9111777858 पर भी कॉल किया जा सकता है।साथ ही राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिये गये हेल्पलाइन नंबर 0755-4092530 पर भी संपर्क किया जा सकता है सशुल्क एयर एम्बुलेंस सेवा के लिए जारी किये गए त्त्क्रकोड को स्कैन कर भी सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है।

इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण का शुभारंभ

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा कल आईएसबीटी बस स्टैंड के पास सघन वृक्षारोपण किया गया, प्राधिकरण के मुख्य कार्य प्राधिकारी आरपी अहिरवार ने बताया इस कार्यक्रम में माननीय सांसद शंकर लालवानी , स्टार्टअप से जुड़े युवा एंटरप्रेन्योर्स, युवा उद्यमी, यंग इंडिया संस्था के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए, कल लगभग 6000 पौधों का रोपण किया गया, इसी स्थान पर 10000 अन्य पौधों का भी रोपण सुनिश्चित किया जा रहा है , अहिरवार ने बताया कि प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में विभिन्न नगर विकास योजनाओं में एवं मुख्य मार्गों के आसपास 2 लाख से अधिक पौधे लगाने की योजना है जिसमें अंतर्गत मियांबाकी पद्धति से प्रस्तावित योजनाओं के हरित क्षेत्र में एवं विभिन्न अन्य योजनाओं में एवं आईएसबीटी के अंतर्गत वृक्षारोपण किया जाना प्रस्तावित है, इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा लगाए जा रहे विभिन्न पौधों की ऊंचाई लगभग 10 फीट से अधिक होकर विकसित पौधे ही लगाएं जा रहे हैं ताकि कम समय पर एक घना हरित क्षेत्र का विकास किया जा सके। वृक्षारोपण किए गए स्थान पर बढ़, पीपल, गूलर, एवं अन्य ऐसे पौधे जो घनी छाया देते हैं एवं पशु पक्षियों को आकर्षित करते हैं को रोपा गया।

कलेक्टर के निर्देश पर प्रिन्सेस स्टेट कॉलोनी में प्लॉट मालिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु कैम्प आयोजित

कैम्प में 57 भूखण्ड धारियों को मौके पर कब्जा दिलाया गया

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर राजस्व प्रशासन के दल ने कल प्रिन्सेस स्टेट कॉलोनी में प्लॉट मालिकों की सुनवाई की। अधिकारियों के दल ने कल लसूड़िया मोरी स्थित प्रिंसेस स्टेट कॉलोनी में भूखण्डधारियों एवं रहवासी संघ की समस्याओं के निराकरण हेतु कैम्प आयोजित किया गया था। कैम्प में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती रोशनी वर्धमान, एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर, अपर तहसीलदार कमलेश कुशवाह, विकास रघुवंशी एवं पटवारी उपस्थित थे। कैम्प में प्रिंसेस स्टेट कॉलोनी के रहवासी संघ, कॉलोनाईजर, भूखण्ड धारक उपस्थित थे। कैम्प में 57 भूखण्ड धारियों को मौके पर कब्जा दिलाया गया। ऐसे सर्वे नंबर जिनमें विवाद नहीं है, उनमें नामांतरण की कार्रवाई चिन्हांकित कर प्रारंभ की गई। एसडीएम धनगर ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे कैम्प आयोजित करते हुए भूखण्ड धारियों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा।

इंदौर किंग एडवर्ड मेमोरियल मेडिकल स्कूल के पुराने भवन के संरक्षण के लिए उप मुख्यमंत्री से राशि स्वीकृत करने का आग्रह

इंदौर। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के आज इंदौर प्रवास के दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने उनसे व्यक्तिगत भेंट कर इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत किंग एडवर्ड मेमोरियल मेडिकल स्कूल के पुराने भवन के संरक्षण और इसके उन्नयन के लिए राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया। मंत्री सिलावट ने बताया गया कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर जो कि आज से लगभग 150 वर्ष पूर्व किंग एडवर्ड मेमोरियल मेडिकल स्कूल के नाम से स्थापित किया गया था। इस कॉलेज का भवन लगभग 150 वर्ष पूर्व रियासत कालीन समय में किंग एडवर्ड की स्मृति में बनवाया गया था। मंत्री सिलावट ने बताया कि वर्तमान में इसके संरक्षण, रखरखाव एवं मूल स्वरूप को बनाये रखने के लिए आर्किटेक्चरल हेरिटिज डिवीजन, इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज द्वारा प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत की गई है, जिसमें उनके द्वारा उक्त समस्त कार्यों के लिए 3 करोड़ 77 लाख 4 हजार 218 रुपये का प्राक्कलन प्रस्तुत किया गया है। इंदौर शहर के नागरिकों की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उक्त भवन को शहर की धरोहर के रूप में संजोने हेतु मंत्री सिलावट ने प्रस्ताव अनुसार उप मुख्यमंत्री शुक्ल से राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

नंबर वन इंदौर अब ईवी परिवहन में बनाएगा रिकॉर्ड

18 से ज्यादा ई-बसें चल रही हैं इंदौर और भोपाल के बीच

इंदौर। इंदौर शहर को हरा भरा बनाने की कवायद जोरों पर जारी है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषण को नियंत्रित करने की भी कोशिश की जा रही है। यह प्रयास ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) के संचालन के जरिये होने जा रहा है केंद्र और राज्य सरकार द्वारा ईवी परिवहन के लिए योजनाएं लेकर आ रहा है। हाल ही में प्रदेश के बजट में भी ई-बसों के संचालन को लेकर राशि रखी गई है। लगता है इस बात को शहर ने बहुत अच्छे से समझा और अब देश के सबसे स्वच्छ शहर को ईवी परिवहन के क्षेत्र में भी नंबर बनाने की कोशिश की जा रही है।बीआरटीएस कॉरिडोर को ग्रीन मोबिलिटी कॉरिडोर घोषित किया जा चुका है। इसके साथ ही शहर में 40 से अधिक ई-सिटी बसों का संचालन हो रहा है। आने वाले समय में 230 ई-बसें शहर के अंदर और इंदौर से अन्य शहरों के बीच संचालित होंगी। ई-बसों के साथ ही शहर में चार्जिंग स्टेशन भी बढ़ाए जा रहे हैं। इधर, छोटे लोक परिवहन वाहनों में भी तेजी से डीजल और सीएनजी से चलने वाले ऑटो की जगह ई-रिक्शा ने ले ली है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले पांच वर्ष में इंदौर में 70 फीसदी तक ईवी लोक परिवहन का संचालन शुरू हो चुका होगा।

वर्तमान में इंदौर में 40 ई-सिटी बसों का संचालन शहर में किया जा रहा है। वहीं 30 ई बसों का संचालन बीआरटीएस पर हो रहा है। निजी बस ऑपरेटर द्वारा भी 18 से अधिक ई बसों का संचालन इंदौर-भोपाल के बीच किया जा रहा है। पीएम ई-बस योजना में एआईसीटीएसएल को 150 बसें दिसंबर के पहले इंदौर को मिल जाएंगी अमृत योजना में अब तक 30 ई-बसें मिल चुकी हैं, जबकि 50 मिलना बाकी है। इसके अलावा अमृत योजना में ही 26 ई-बसें दिसंबर तक मिलेंगी, जो इंदौर व नौ शहरों के बीच संचालित होंगी। कुल मिलाकर 225 से अधिक ई-बसों का संचालन दिसंबर तक शुरू हो जाएगा।

5500 ई रिक्शा चल रहे शहर में

वाहन प्रदूषण को कम करने में शहर में दौड़ रहे 5500 से अधिक ई-रिक्शा ने अहम योगदान दिया है। दरअसल, कुछ वर्ष पहले तक शहर में 25 हजार से अधिक आटो का संचालन हो रहा था, जिसमें से अधिकांश डीजल थे, लेकिन सीएनजी आने के बाद 20 फीसदी ही डीजल ऑटो बचे। अब ई-रिक्शा आने से एक फीसदी भी डीजल ऑटो नहीं बचे हैं। इस कारण वायु प्रदूषण से राहत मिली है। मार्च में 11.5 किमी लंबे बीआरटीएस कॉरिडोर से डीजल आई बसों को हटाकर 30 ई बसों का संचालन शुरू किया गया। इसके साथ ही 29 सीएनजी बसों का संचालन किया जा रहा है। इसके चलते यह कॉरिडोर देश का पहला ग्रीन मोबिलिटी कॉरिडोर बन चुका है।

39 चार्जिंग स्टेशन वर्तमान में

एआईसीटीएसएल ने शहर में ई वाहनों के लिए 39 चार्जिंग स्टेशन बनाएं हैं। इनमें 35 स्टेशन छोटे ईवी के लिए हैं। इनका सबसे ज्यादा फायदा ई रिक्शा को मिल रहा है। एआईसीटीएसएल की ई-बसों को चार्ज करने के लिए राजीव गांधी, विजय नगर, हवा बंगला और सिलिकॉन सिटी में चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। आगामी योजना में आईएसबीटी, नायता मुंडला, स्टार चौराहे के साथ अन्य जगहों पर भी चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे।

इंदौरः 500 करोड़ की लागत से तैयार होगा रेलवे स्टेशन

इंदौर। देश के सबसे साफ-सुथरे शहर इंदौर में आने वाले मेहमानों का स्वागत अब और भी खास अंदाज में होने वाला है। यह स्वागत लोगों द्वारा नहीं बल्कि रेलवे के जरिये होगा, जिसमें सुंदरता के साथ सुविधाओं को भी तवज्जो दी जाएगी इंदौर के रेलवे स्टेशन को अब एयरपोर्ट जैसा भव्य बनाया जा रहा है। यहां रेलवे स्टेशन की एक दो नहीं बल्कि पूरी सात मंजिला बिल्डिंग बनाई जाएगी। खास बात यह है कि नया और भव्य स्टेशन महज 42 महीनों में बनकर तैयार हो जाएगा।इसका वर्चुअल भूमिपूजन फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा चुका है। इस रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तरह सर्वसुविधायुक्त बनाने की कोशिश की जा रही है। यह कायाकल्प 479 करोड़ रुपये की लागत से होगा और 2027 तक यह कार्य पूरा हो जाएगाये होगा रेलवे स्टेशन में बदलाव 479 करोड़ रुपये आएगी लागत। ग्वालटोली की ओर बनेगा सात मंजिला भवन यात्रियों के लिए दो पैदल पुल, लगेज के लिए अलग से बनेगा एक पैदल पुल 10 फीसदी बिजली सोलर प्लांट से होगी तैया अंडरग्राउंड पार्किंग में एक साथ सैकड़ों वाहन रख सकेंगे पार्क रोड स्थित प्लेटफार्म-5 और 6 पर नहीं होगा किसी तरह का बदलाव 26 लिफ्ट और 17 एस्केलेटर बनेंगे रेलवे स्टेशन पर होटल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स सहित तमाम सुविधाएं मौजूद रहेंगी। मिलेगी इंदौर के व्यापार को गति - स्टेशन से देशभर के लिए पार्सल सुविधा को भी बढ़ाया जाएगा। वर्तमान में 2800 क्विंटल पार्सल हैंडल किया जाता है, जो भविष्य में 10 हजार क्विंटल होने की आशा है। इससे इंदौर के व्यापार को गति मिलेगी।2 जुलाई को इस प्रोजेक्ट का टेंडर खोला गया है, जिसमें 18 एजेंसियों ने हिस्सा लिया था। इसके बाद सभी तरह की प्रक्रिया, अनुमति, ट्रेन ऑपरेशन आदि तैयार करने में तीन से चार माह का समय लग जाएगा इसके बाद नवंबर-दिसंबर तक काम शुरू हो पाएगा। प्रोजेक्ट 2027 तक तैयार किया जाना है। इस दौरान अधिकांश लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन महू, राजेंद्र नगर, लक्ष्मीबाई नगर, उज्जैन से किया जाएगा। ?

काबिलियत को सलाम : मेधावी बच्चों का सम्मान समारोह इंदौर प्रेस क्लब में आज

इंदौर। इंदौर प्रेस क्लब और कर्मवीर सिद्धार्थ सोनी स्मृति मंच द्वारा प्रेस क्लब सदस्यों एवं मीडिया के साथियों के मेधावी बच्चों का सम्मान समारोह %काबिलियत को सलाम% रविवार 7 जुलाई 2024 को शाम 4.30 बजे प्रेस क्लब के राजेंद्र माथुर सभागार में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभाग आयुक्त दीपक सिंह और विशेष अतिथि अपर पुलिस आयुक्त अमित सिंह होंगे। हैप्पीनेस गुरु डॉ. गुरमीत सिंह नारंग बच्चों को प्रेरणा उद्बोधन देंगे।

प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी एवं कर्मवीर सिद्धार्थ सोनी स्मृति मंच के संयोजक सतीश सोनी ने बताया कि सम्मान समारोह में कक्षा 5वीं से कक्षा 12वीं तक के 60 से अधिक प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने वर्ष 2023-24 की वार्षिक परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। इसी प्रकार आईआईटी, आईआईएम या एनएलयू, नीट, क्लेट के लिए चयनित बच्चों के साथ ही राष्ट्रीय, राज्य और संभाग स्तर की खेल स्पर्धाओं में पुरस्कार जीतने वाले एवं विभिन्न क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर में डिजिटल मैमोग्राफी एवं टोमोसिंथेसिस मशीन स्थापित की गई

● **स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान और उपचार में होगी कारगर**

इंदौर। उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि कैंसर की प्रारंभिक पहचान और उपचार को प्राथमिकता देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इंदौर के एम.जी.एम मेडिकल कॉलेज एवं एम. वाय. अस्पताल इंदौर में डिजिटल मैमोग्राफी एवं टोमोसिंथेसिस मशीन स्थापित की गई है। इस मशीन से स्तन कैंसर के मामलों की जल्द पहचान और प्रभावी उपचार संभव हो सकेगा।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विवेक कुमार पोरवाल ने बताया कि 1 करोड़ 75 लाख रुपए लागत की डिजिटल मैमोग्राफी एवं टोमोसिंथेसिस मशीन से स्तन की 3 से 5 मिलीमीटर तक की छोटी से छोटी गठान का भी पता लगाया जा सकेगा। महिला मरीजों को इतनी आधुनिक तकनीक से कम शुल्क में यह जाँच उपलब्ध होगी। मध्य प्रदेश के समस्त मेडिकल कॉलेज एवं शासकीय चिकित्सालयों में इस गुणवत्ता की यह पहली मशीन है। उल्लेखनीय है कि स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसर का क़रीब 28 प्रतिशत है। स्तन कैंसर के जल्द चिन्हांकन से त्वरित और कारगर उपचार में यह मशीन वरदान साबित होगी।

राहुल गांधी को चेतावनी : तीन दिन में क्षमा नहीं मांगी तो सोमवार को राजबाड़ा पर संत देंगे धरना

श्री राम मंदिर पंचकुइयां के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रामगोपाल दास महाराज ने की हिन्दुओं के अपमान की कड़ी निंदा

इंदौर । श्रीराम मंदिर पंचकुइयां के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रामगोपाल दास महाराज ने लोकसभा में हिन्दुत्व को अपमानित कर हिन्दुओं को हिंसक एवं नफरती बताने वाले विपक्ष के नेता राहुल गांधी को चेतावनी दी है कि वे तीन दिनों में सनातन समाज और हिन्दुओं से क्षमा मांगे, अन्यथा सोमवार, 8 जुलाई को राजवाड़ा पर सुबह 9 से 12 बजे तक विशाल धरना दिया जाएगा, जिसमें शहर के संतों के साथ हिन्द रक्षक दल, चैतन्य भारत सहित सकल हिन्दू समाज के लोग भाग लेंगे। यह इस आंदोलन का प्रथम चरण होगा। यदि इसके बाद भी कांग्रेस नहीं सुधरी तो संत समाज कांग्रेस के विनाश का शंखनाद करने में पीछे नहीं रहेगा।

महामंडलेश्वर स्वामी रामगोपाल दास ने यहां जारी बयान में कहा कि यह दुखद स्थिति है कि राजनीति अपनी सीमा का उल्लंघन कर हिन्दू आस्था को आघात पहुंचा रही है। जो सनातनी हिन्दू वृक्षों, नदियों, पशु-पक्षियों और जीव मात्र में ब्रह्म का दर्शन करता हो, वह हिन्दू समाज हिंसक कैसे हो सकता है। हिन्दुओं की उदारता और करुणा पर आक्षेप लगाना असहनीय है।

पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जिला चिकित्सालय इंदौर की बिल्डिंग का निर्माण कार्य आगामी 8 माह में पूर्ण किया जाए – उप मुख्यमंत्री

इंदौर। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कल पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जिला चिकित्सालय इंदौर की निर्माणाधीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने इस भवन की जी प्लस वन बिल्डिंग का करीब डेढ से दो माह में तथा शेष पूरे भवन का आगामी सात से आठ माह में कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, क्षेत्रीय पार्षद भरत रघुवंशी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय का निर्माण कार्य पूर्ण होते ही आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित की जाए।

इंदौर में इस्कॉन निकालेगा जगन्नाथ रथयात्रा

51 फीट ऊंचे रथ पर सवार होंगे जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भाई बलभद्र

इंदौर (नप्र)। दुनिया के 200 से अधिक देशों में निकलने वाली इस्कॉन की परंपरागत जगन्नाथ रथयात्रा इंदौर में भी 7 जुलाई को दोपहर 2 बजे से विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम मंदिर से पूरे लाव- लश्कर के साथ निकलेगी। यात्रा के लिए 51 फीट ऊंचे हाईड्रोलिक रथ की साज-सज्जा का काम जारी है। वृंदावन से आए विभिन्न किस्म के फूलों, भगवान के परिधानों एवं रथ का यात्रा मार्ग साफ करने के लिए स्वर्ण झाडुओं का उपयोग होगा। देश-विदेश के अनेक संत एवं श्रद्धालु भी हरे रामा हरे कृष्णा और भगवान जगन्नाथ के जयघोष के बीच रथयात्रा में शामिल नजर आएंगे। इस्कॉन इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास प्रभु, रथयात्रा प्रभारी हरि अग्रवाल, संयोजक किशोर गोयल एवं शैलेन्द्र मित्तल ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि रथायात्रा के पूर्व इस्कॉन के निपानिया स्थित मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के विग्रह

तीन विशिष्ट वाहनों से विद्याधाम मंदिर लाकर रथ में विराजित किए जाएंगे। यह पहला अवसर है जब रथयात्रा विमानतल मार्ग स्थित मंदिर से निकाली जा रही है। इसका उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के लोग भी भगवान जगन्नाथ और अन्य देवताओं के दर्शनों का पुण्य लाभ उठा सकें।

मार्ग में दर्शनार्थियों में होगा प्रसाद वितरण– इस अवसर पर राज्य के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं वरिष्ठ समाजसेवी विनोद अग्रवाल एवं शहर के अन्य जन प्रतिनिधि इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। शहर के विभिन्न समाजों के अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठजन भी इस यात्रा में शामिल रहेंगे। रथयात्रा के दर्शनार्थियों के लिए रथ पर सूखे मेवों, केले एवं नुक्ती प्रसाद के वितरण की व्यवस्था पूरे समय चलेगी।

इस मार्ग और स्थानों से गुजरेगा रथ– श्री श्रीविद्याधाम मंदिर से प्रारंभ यह रथयात्रा बड़ा गणपति, टोरी कार्नर, गोराकुंड, खजूरी बाजार, राजबाड़ा होते हुए गोपाल मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान के गुणगान की कथा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मनोहारी आयोजन होगा। राधा-कृष्ण की झांकियां भी सजाई जाएंगी।

50 मंचों से पुष्प वर्षा कर किया जाएगा स्वागत

मार्ग में करीब 50 स्थानों पर स्वागत मंच बनाकर कहीं पुष्प वर्षा, कहीं प्रसाद वितरण और कहीं फलों का वितरण भी किया जाएगा। अनेक व्यापारी संगठन एवं विभिन्न समाजों ने भी अपने स्वागत मंच लगाने का संकल्प व्यक्त किया है। यात्रा में घोड़े, बग्घी, बैंड-बाजे, कीर्तन एवं गरबा मंडलियों के साथ दो मिनी रथ भी मुख्य रथ के साथ शामिल रहेंगे। इनमें एक रथ में इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद और दूसरे रथ पर गौरनिताय एवं मुख्य रथ पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भाई बलभद्र विराजित होकर भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

जिले में संचालित सभी रेस्तरां बार, होटल बार एवं क्लब में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

सीसीटीवी कैमरों का रात्रि 12 बजे से प्रातः 4 बजे तक का लाइव एक्सेस आबकारी नियंत्रण कक्ष पर उपलब्ध कराने के निर्देश

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह द्वारा आदेश जारी किए गए हैं कि इंदौर जिले में संचालित समस्त बार संचालकों को मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों, शर्तों एवं निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। साथ ही जिले में संचालित समस्त रेस्तरां बार, होटल बार एवं क्लब बारों में सीसीटीवी कैमरे लगाना जाना भी अनिवार्य है। आदेश का उल्लंघन करने वाले बार संचालकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। मध्यप्रदेश राजपत्र में दिए गए प्रावधानानुसार रेस्टोरेन्ट, पर्यटन, होटल, रिसोर्ट तथा क्लब बार लायसेंस के अंतर्गत परिसर में विदेशी मदिरा की बिक्री का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 11ः30 बजे तक एवं उपभोग का समय रात्रि 12 बजे तक नियत है। समय-समय पर आबकारी विभाग, पुलिस विभाग व अन्य अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान कतिपय मामलों में बार निर्धारित समय पश्चात देर रात्रि तक संचालित होना पाये जाते हैं। इंदौर जिले के कतिपय रेस्तरां, होटल बार प्रायः निर्धारित समय के पश्चात देर रात्रि तक खुले रहने के कारण, उनमें अप्रिय घटनाएं होने की संभावना रहती है। जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की विभिन्न धाराओं तथा मध्यप्रदेश राजपत्र के प्रावधांतर्गत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह द्वारा आदेश जारी किए गये हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 07 जुलाई , 2024

संपादकीय | आस्था के नाम पर त्रासदी और बेखबर सरकार

हाथरस में एक सत्संग के दौरान हुए हादसे की न्यायिक जांच की घोषणा हो गई है और इस तरह अब इसके सहारे सरकार इस घटना पर उठने वाले सवालों के शांत होने की उम्मीद कर रही है। अब इस जांच के नतीजे कब आएंगे, किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी, क्या कार्रवाई होगी, यह सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर है। मगर इस घटना में जो हुआ, उसने न केवल किसी स्वयंभू बाबा और उसके समूह को, बल्कि सरकार और समूचे प्रशासन-तंत्र को कठघरे में खड़ा किया है। हालत यह है कि एक बाबा के कथित सत्संग के आयोजन को लेकर तो सभी स्तरों पर लापरवाही बरती ही गई, उससे उपजी अव्यवस्था की वजह से मची भगदड़ में कम से कम एक सौ इक्कीस लोगों के मारे जाने के बाद कार्रवाई के मामले में भी पुलिस और प्रशासन का जो रुख सामने आया है, वह हैरान करने वाला है।

खबरों के मुताबिक भगदड़ के बाद छह सेवादार भाग गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए एक लाख रुपए इनाम की घोषणा की गई। इसके अलावा, पुलिस का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो 'भोले बाबा' से भी पूछताछ की जाएगी। हालांकि इसका कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया है कि बाबा का नाम पुलिस के पास दर्ज प्राथमिकी में क्यों नहीं है!

सवाल है कि आस्था के नाम पर सामने आई त्रासदी के लिए अगर सत्संग के आयोजकों की जिम्मेदारी बनती है, तो इस व्यापक लापरवाही में प्रशासन भी अपनी जवाबदेही से कैसे बच सकता है? अस्सी हजार लोगों की जुटान की इजाजत दे दी गई और ढाई लाख लोगों का जमावड़ा हो गया

तो यह किसके आंख मूंद लेने की वजह से हुआ? इतनी बड़ी तादाद में लोगों के वहां आने के बाद प्रशासन ने क्या ऐसा किया ताकि आपात स्थितियों में बचाव हो सके?

जिस राज्य में आए दिन सरकार किसी भी कोने में छिपे अपराधियों को काबू में करने का दावा करती रहती है, उसमें पुलिस और खुफिया तंत्र के इतने बड़े जाल के बावजूद 'भोले बाबा' कैसे फरार हो गया? सब कुछ दुरुस्त होने के दावे के बीच एक बाबा भारी संख्या में लोगों को जुटा कर अपनी महिमा का बखान करता रहा। फिर भगदड़ के बाद उसके फरार हो जाने पर पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही और प्राथमिकी तक में उसका नाम नहीं है तो इसके पीछे क्या वजहें हैं?

सच यह है कि इस तरह बाबाओं के समाज या साधारण लोगों के बीच पांव पसारने और उन्हें मन-मुताबिक संचालित करने के लिए भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है। आम लोग अपनी जीवन-स्थितियों में बेहतरी और विकास लाने के साथ-साथ अच्छी पढ़ाई-लिखाई करें, नए विचारों से समृद्ध हों, इसकी व्यवस्था करना सरकार का दायित्व है। मगर इसके समांतर संदिग्ध पृष्ठभूमि वाला कोई व्यक्ति बाबा का रूप धर कर लोगों को इस हद तक प्रभावित कर लेता है कि कुछ पीड़ित भी भगदड़ और लोगों के मारे जाने के लिए उस पर सवाल उठाने को गलत मानने लगते हैं।

आस्था के नाम पर इस तरह के सम्मोहन की स्थिति पैदा होने को लेकर क्या सरकारों की कोई जवाबदेही नहीं बनती? अव्यवस्था से उपजी कोई बेहद दुखद घटना हो जाती है, लोगों की जान चली जाती है, तब समूचा सरकारी तंत्र अत्यधिक सक्रिय दिखने लगता है। अफसोस की बात यह है कि जब ऐसी भयावह घटनाओं की भूमिका बन रही होती है, तब सरकार बेखबर रहती है। अगर समय रहते थोड़ी भी सक्रियता दिखाई जाती, तो शायद ऐसी त्रासदी से बचा जा सकता था!

मैतेई और कुकी समुदायों के प्रति नरमी दिखाए सरकार....

मणिपुर पिछले एक वर्ष से ज्यादा समय से अशांति और हिंसा के दौर से गुजर रहा है। सरकार की ओर से तमाम कवायदों के बावजूद आज भी हालात में कोई बड़ा बदलाव आता नहीं दिख रहा है। जाहिर है, मुख्य रूप से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रहे हिंसक टकराव की आग में आम लोग झुलस रहे हैं और इस पर काबू पाने में सरकार नाकाम रही है। दरअसल, लोकतंत्र और शासन के बुनियादी सिद्धांतों के तहत कम से कम सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह इस संघर्ष के दौरान किसी खास तबके के पक्ष में या किसी के खिलाफ न दिखे।

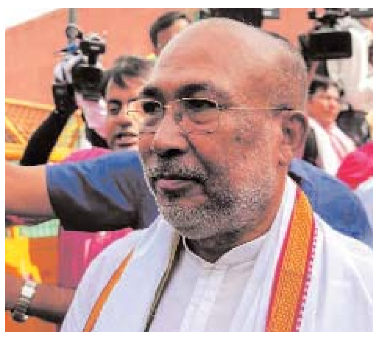

मगर मणिपुर में सरकार पर ऐसे आरोप कई बार लगाए गए कि वह मैतेई समुदाय के लिए नरम रुख और कुकी समुदाय के प्रति उपेक्षा का भाव रखती है। इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सरकार के प्रति सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए उसे इस बात के लिए कठघरे में खड़ा किया कि एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह अल्पसंख्यक कुकी समुदाय से था। गौरतलब है कि मणिपुर में अब भी कुकी और मैतेई समुदाय के बीच टकराव जारी है। मगर कम से कम सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने क्षेत्राधिकार में हर नागरिक के प्रति समान बर्ताव करे, बिना किसी भेदभाव के सबके लिए सुरक्षित और सहज जीवन सुनिश्चित करे। जरूरत इस बात की है कि राज्य सरकार किसी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रहों के बिना शांति-व्यवस्था कायम करे। किसी बीमार या जरूरतमंद व्यक्ति की मदद से बचने के लिए अगर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को कारण बताया जाता है, तो सवाल है कि इसे बहाल करने और रखने की जिम्मेदारी किसकी है? हालत यह है कि राज्य में दो समुदायों के बीच हिंसा के एक वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, दो सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और आज भी सरकार शांति कायम कर पाने में नाकाम है। एक ओर, केंद्र सरकार संसद में यह आश्वासन दे रही है कि मणिपुर में शांति की आशा और भरोसा करना संभव हो रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट को यह टिप्पणी करनी पड़ रही है कि उसे मणिपुर सरकार पर भरोसा नहीं है। किसी भी लोकतांत्रिक कही जाने वाली सरकार के लिए यह आदर्श स्थिति नहीं है।

आज का कार्टून

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है।

ललित गर्ग

हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंजताम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है।

हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते हैं। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी।

हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा

रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं?

एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दो से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई।

विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्त्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, ऐसे आयोजनों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो ऐसे जघन्य हादसों की संख्या घट सकती है।

बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। अब बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उनके तीन मंत्री पहले से वहां पहुंचे हुए है। इस एवं इससे जुड़ी कार्रवाइयों से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि उत्तर प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, क्योंकि आमतौर पर यही देखने में आता है कि इस तरह के मामलों में कार्रवाई के नाम पर कुछ अधिक नहीं होता। इसी कारण रह-रहकर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और उनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी जान गंवाते हैं। इसके बावजूद कोई सबक सीखने को तैयार नहीं दिखता है। धार्मिक आयोजनों में अव्यवस्था और अनदेखी के चलते लोगों की जान जाने के सिलसिले पर इसलिए विराम नहीं लग पा रहा है, क्योंकि दोषी लोगों के खिलाफ कभी ऐसी कार्रवाई नहीं की जाती, जो नजीर बन सके।

बारिश की पहली बूंद और मधुर संगीत से जगी आशा की उम्मीद

रेखा शाह आरबी

गर्मी की तपिश के बीच बारिश की पहली बूंद जब सुखी और शुष्क जमीन पर पहली बार छन्न से गिरती है, तो उससे उठने वाला मधुर संगीत मन को खुश कर देता है। मानो पूरी धरती खुशी के मारे नृत्य करने लगती है। सूखी हुई धरती और कुम्हलाए हुए पेड़-पौधे, पत्तियों की मन की मुराद पूरी होने पर उनका नृत्य करना तो बनता ही है। दुनिया के सारे संगीत से सुंदर गिरती हुई बारिश की बूंद का संगीत होता है, क्योंकि इस संगीत में जीवन होता है, जीवन की आशा होती है और जीवन की जिजीविषा की पूर्ति होती है। यों भी, जो वस्तु समस्त चर-अचर को जीवन प्रदान करे, वह तो अमृत तुल्य ही होती है।

पहली बूंद और सूखी धरती के मिलने से उठने वाली दुनिया की सबसे मनभावन सुगंधित सौंधी सुगंध आत्मा के पोर-पोर को तृप्त कर देती है। ऐसा लगता है, उसे अपने रोम-रोम में बसा लिया जाए। बारिश में बरसने वाली बूंदें सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को जीवन की संभावना देती है। ग्रीष्म और सूर्य के तीव्र ताप से त्रस्त असंख्य पीड़ा का बारिश के बादल उपचार कर देते हैं। उसे अपनी शीतलता से सहला कर पीड़ा रहित कर देते हैं। यह सब प्रकृति का एक चमत्कार ही है। तीन-चार माह की झुलसाने वाली गर्मी के बाद जब मानसून की आमद होती है तो समस्त चर-अचर नतमस्तक होकर उसका स्वागत करते हैं। दरअसल, मानसून अपने साथ ढेर सारी खुशियां और जीवन के स्रोत लेकर आता है। लोक में मानसून की तुलना घर में नववधू के आने से की जाती है, जो धरती पर खुशहाली लेकर आता है। इससे प्रकृति अपना श्रृंगार करती है। प्रकृति का स्वाभाविक सौंदर्यीकरण सबको आनंदित और आह्लादित कर देता है। मानसून की ठंडी हवा तन-मन को शीतलता से भर देती है। नदी-नाले पोखर गर्मी और ऊंचे तापमान के बीच सूखने के कगार पर होते हैं या सूख चुके होते हैं, उनमें रहने वाले जीव-जंतु या तो मृत्यु की ओर अग्रसर होते हैं या तो अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा करते हैं, लेकिन मानसून आते ही उन सभी को फिर से नवजीवन की आश्वासन मिल जाता है। फिर सभी पहले की तरह पुनर्जीवित, पुष्पित, पल्लवित होने लगते हैं। धरती पर रह रहे हर प्राणी और जीव-जंतु का एक अहम लक्ष्य होता है अपनी संतति को बढ़ाना और पालन-पोषण करना। मानसून के साथ आए बादल और उससे बरसता पानी उन नवआगंतुकों का स्वागत भोजन और पानी की व्यवस्था करके करता है। उनको सुख-समृद्धि और जीवन देने का आश्वासन देता है। यह सब मानसून के साथ आए हरियाली का ही आशीर्वाद होता है।

हरियाली हम सभी और समूचे जीव-जगत की खुशहाली का मार्ग है। जीवन वहीं पर सबसे समृद्ध रूप में है, जहां हरियाली है। धरती की हरियाली के साथ उपजे अन्न, धन से ही संतति का पालन-पोषण किया जाता है। धरती पर जब हम हरियाली का उत्सव मनाते हैं, तो एक तरह से हम अपनी वर्तमान और भावी पीढ़ी की खुशहाली का उत्सव मनाते हैं। उनकी संपन्नता का उत्सव मनाते हैं। यह उत्सव कोयल की कूक और पपीहे की पीहू-पीहू में हम सुनकर आनंदित होते हैं। जब धरती पर मोर बारिश में भीग कर नृत्य करने लगते हैं तो दरअसल वे सभी जीव-जंतुओं की खुशहाली पर नृत्य करते आनंद मनाने का प्रतीक होता है। प्रकृति बारिश के आते ही एक नया सौंदर्य धारण कर लेती है, जिसमें सब कुछ नूतन लगता है। ऐसा लगता है जैसे धरा कोई व्यक्ति हो और उसे नहला-धुला कर नए वस्त्र पहनाकर उसका साज-श्रृंगार कर दिया गया हो। और वह एक नई आभा से चमकने लगा हो। किसान आसमान में उमड़ते-घुमड़ते मानसून को देखकर अपना कुदाल, फावड़ा और हल-बैलों या अन्य खेती के संसाधनों को लेकर खेतों की ओर मस्ती की धुन में चल पड़ता है। इससे सुंदर दृश्य भला धरती पर और क्या हो सकता है! बैलों के गले में बंधी हुई घंटियां जब खेतों में हल के चलने से बजती हैं, तो उससे उठने वाले संगीत से मन भावविभोर हो जाता है। यह खुशी सिर्फ भावनात्मक नहीं होती है। इसके आर्थिक, सामाजिक, गहरे निहितार्थ हैं, जो जीव के जीवन से जुड़े हुए हैं। हरियाली से हमारा पर्यावरण जितना हरा-भरा रहेगा, उतना ही जीवन में खुशहाली भी रहेगा। चाहे हम जितने भी आधुनिक बन जाएं और चाहे जितने भी आविष्कार कर लें, लेकिन सांस लेने के लिए अभी भी हम पौधों के ही मोहताज हैं। हमने ऐसी कोई भी मशीन ईजाद नहीं की है जो बिना प्रकृति की मदद लिए आक्सीजन का निर्माण कर सके। भोजन-पानी अपनी सभी जरूरतों के लिए प्रकृति की हरियाली पर ही निर्भर है। हम सभी प्रकृति के एक चक्र में बंधे हुए हैं। हम सभी घटक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक दूसरे पर निर्भर हैं। इसलिए हम सभी का यह प्रयास रहना चाहिए की धरती पर ज्यादा से ज्यादा हरियाली रहे, ताकि जीव-जगत के जीवन में खुशहाली रहे।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सदभावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

CBSE पैटर्न पर होंगी 9वीं-10वीं की परीक्षा

शिक्षा। मध्य प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल स्टूडेंट्स की सुविधाओं को देखते हुए सीबीएसई बोर्ड की तर्ज पर परीक्षा में बदलाव किया है। इसमें स्टूडेंट्स को कक्षा 9वीं और 10वीं में दो कैटेगरी की मैथ देखने को मिलेगी। इसको अगर आसान शब्दों में समझें तो मैथ में कमजोर छात्र जो अगर अन्य स्ट्रीम में जाना चाहते हैं, तो वह बेसिक मैथ सिलेक्ट कर इसकी पढ़ाई कर सकते हैं, जबकि जिन स्टूडेंट्स ने इसे सिलेक?ट नहीं किया वह स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स ही पढ़ेंगे।

● गणित नहीं पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए होगा फायदेमंद

MPBSE के सचिव केडी त्रिपाठी का कहना है कि 9वीं और 10वीं में अब गणित की दो कैटेगिरी रहेंगी, जिसमें बेसिक और स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स शामिल हैं। ऐसे भी बच्चे हैं, जिसको आगे चलकर मैथेमिटक्स नहीं पड़ना है। अन्य स्टीम जैसे बायोलॉजी कॉर्मस या ह्यूमेनिटीज आदि में जाना है तो ऐसे में उनको सुविधा होगी कि वह बेसिक मैथमेटिक्स सिलेक्टर कर पढ़ाई कर सकते हैं।इस साल यह पैटर्न हमने 9वीं कक्षा में शुरू कर दिया है। वहीं, 10वीं में आने वाले सत्र से यह नियम लागू हो जाएगा। इसके अलावा 9वीं क्लास के लिए ऑप्शन रहेगा, अगले वर्ष के लिए दसवीं में आप क्या पढ़ना चाहते हैं।

सिलेबस रहेगा सेम पेपर आएंगे अलग

MPBSE के सचिव ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि इससे रिजल्ट में इम्प्रूवमेंट देखने को मिलेगा।इसका सिलेबस समान होगा, अगर पेपर का कठिनाई का स्तर अलग अलग होगा। बेसिक मैथ के लिए अलग पेपर आएगा और स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स के लिए पेपर अलग होगा। स्टैंडर्ड में आम तौर पर जैसा पेपर हमेशा आता है वही रहेगा जबकि बेसिक में इसका कठिनाई का स्तर काफी कम होगा, जिससे यह उन छात्रों के लिए काफी उपयोगी होगा, जो मैथ में कहीं न कहीं कमजोर हैं। इसका फायदा यह भी होगा कि जो स्टूडेंट्स मैथ से डरते हैं वो भी मैथ को हल कर पाएंगे। स्कूल स?टूडेंट्स की पढाई को लेकर एक्सपर्टस का कहना है कि लंबे समय से हम बच्चों को मैथमेटिक्स पढ़ा रहे हैं। इस नए नियम से बच?चों की पढ़ाई में एक पॉजिटिव चेंज देखने को मिल सकता है। इससे पहले अन्य बोर्ड में तो यह चलता ही आ रहा है। मगर, एमपी बोर्ड में इसके शुरू होने से इसका सबसे अधिक फायदा उन स?टूडेंट्स को होगा, जो सिर्फ मैथ में कमजोर हैं या मैथ की वजह से उनके रिजल्ट पर हमेशा प्रभाव पढ़ता है। इसके आ जाने के बाद से कुछ स्टूडेंट्स के मन में मैथ को लेकर जो डर बना रहता है वह भी दूर हो जाएगा।

एमबीए पेपर लीक कांड से डरी डीएवीवी

इंदौर। इंदौर में भाजपा नेता अक्षय बम के आइडल कालेज की लापरवाही के बाद अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परीक्षाओं को लेकर हरकत में आया है। आगामी सभी परीक्षाओं को लेकर परीक्षा केंद्र के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। इसमें कॉलेज (केंद्र) को प्रश्न पत्र के बंडल थानों में रखने के बाद मिलने वाली रसीद को अनिवार्य रूप से विश्वविद्यालय में जमा करना है।इसके साथ ही प्रश्न पत्र थाने में रखने और वहां से लाने के संबंध में भी रिकॉर्ड रखना है। अधिकारियों के मुताबिक यूजी-पीजी परीक्षाओं के लिए यह व्यवस्था की गई है। केंद्र बनाए कॉलेजों को प्रश्न पत्र के बारे में प्रत्येक जानकारी रखनी होगी।बता दें कि थाने में पेपर रखने की बजाय आइडल कॉलेज ने प्राचार्य कक्ष में रखे थे। एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर के दो विषय के पेपर आउट हो गए थे। कालेज की लापरवाही का खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ा है। उन्हें दो विषय की दोबारा परीक्षा देनी पड़ी है।यह स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए विश्वविद्यालय ने केंद्र बनाए कॉलेजों को पेपर थाने में अनिवार्य रूप से रखने पर जोर दिया है। साथ ही कहा कि थाने में पेपर का बंडल रखने और वहां से लाने वाले शिक्षक व प्राध्यापक के बारे में भी रजिस्टर में जानकारी दर्ज की जाए।प्रश्न पत्र का लिफाफा केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरे के सामने खोलना होगा। प्रश्न पत्र से जुड़ी जानकारी व प्रमाण कॉलेजों को विश्वविद्यालय में देना होगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी का कहना है कि वार्षिक व सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर केंद्रों को थाने की रसीद विश्वविद्यालय को देनी होगी।

कॉलेज पर नहीं की कोई सख्त कार्रवाई

एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर पेपर लीक मामले में आइडलिक कॉलेज पर विश्वविद्यालय की मेहरबानी बनी है। पांच लाख जुर्माना और तीन साल केंद्र नहीं बनाने से जुड़ी कार्रवाई की गई है, मगर अभी तक लापरवाही बरतने और परीक्षा की गोपनीयता भंग करने को लेकर प्राचार्य पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

बैजूस के पूर्व कर्मचारी भी बकाये वेतन के लिए एनसीएलटी के पास पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। नकदी किल्लत का सामना कर रही एडटेक फर्म बैजूस के 62 पूर्व कर्मचारियों ने अपने बकाये वेतन भुगतान नहीं करने पर कंपनी को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण के बेंगलूरु पीठ में दिवालिया कार्यवाही का मामला दायर करने के लिए नोटिस भेजा है। बैजूस ट्यूशन सेंटर दिल्ली के पूर्व गणित शिक्षक और पूर्व कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले रजत सिंह ने कहा, 'बेंगलूरु की कानूनी फर्म कैनवास लीगल ने 62 कर्मचारियों की ओर से 2.30 करोड़ रुपए से अधिक का डिमांड नोटिस भेजा है।' डिमांड नोटिस में कर्मचारियों को पिछले साल से बकाया वेतन तुरंत देने की मांग की गई है। कंपनी द्वारा 4 जुलाई को भेजे गए पत्र में कहा गया है, 'हम आपसे अनुरोध करते हैं कि पत्र मिलने के 10 दिनों के भीतर बकाया परिचालन ऋण को बगैर किसी शर्त के पूरा चुकाएं और ऐसा नहीं करने पर हम थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बैजूस की मूल कंपनी) के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता समाधान के तहत कार्यवाही शुरू करेंगे।' बैजूस के 1,500 से अधिक नाराज पूर्व कर्मचारी भी अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट हो गए हैं। उनमें से अधिकतर कर्मचारी अपने बकाया राशि के भुगतान के लिए कंपनी को एनसीएलटी के बेंगलूरु पीठ ले जाने की प्रक्रिया में हैं। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने हाल में थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी।

IPS Academy of Engineering & Indore organized the Graduation Ceremony on Saturday July 6

This year, graduation certificates were awarded to 746 bright students

Laxmikant Pandit

Indore. UGC Autonomous Institute, IPS Academy of Engineering & Indore organized the Graduation Ceremony on Saturday, July 6, 2024. This year, graduation certificates were awarded to 746 bright students of the institute. The ceremony began with student processions from all streams (Computer Science Engg., Civil Engg., Chemical Engg., Electronics & Communication Engg., Electrical & Electronics Engg., Fire Technology & Safety, Mechanical Engineering). The students felt proud to participate in the student procession. This was followed by the Academic Procession, in which Hon'ble Registrar, Rajiv Gandhi Proudyogiki University, Bhopal participated along with eminent members.

Distinguished Members in the occasion: Hon'ble Chief Guest Dr. A P Singh Honorary Secretary Indian Geotechnical Society (IGS). Director Explore Engineering Consultant (P) Ltd., Architect Achal K Choudhary, Chairman Governing Body, Mr Yogendra Kumar Jain, Vice Chairman Governing Body and Principal IPSA Institute of Engineering & Science Dr. Archana Keerti Choudhary were present.

Principal of the institute Dr. Archana Keerti Chowdhary presented the annual report of the institute. In her address, she highlighted the major achievements of the Institute during the last year, Madam informed that in the Times Engineering 2024 survey, this year the Institute has gained two places to rank among the Top 29th Private Engineering Institutes. The Institute is ranked 31st among top Engineering Institute, and is ranked 6th in the Western Zone. She informed that 18 undergraduate and 8 post graduate degree programs are being run in the institute. Faculty members have published 69 research papers in national and international journals and 22 patents have been published. The institute has signed 42 MoUs with various industry and international institutions. She also said that under the student achievements, the student of the institute The students excelled academically and 81 students achieved academic awards, 25 students published research paper in an international journal, 40 students presented paper in national conference/seminar, 42 students presented paper in International conference. More than 250 students attended technical workshops of national and international level. Students excelled in various activities other than academics.

Five teams participated in the world's biggest open platform (Smart India Hackathon -2023) for innovators organized by the Ministry of Education GoI. Among them, two teams competing in Mohali and Bengaluru won the first prize with a cash reward of Rs. 1 lakh each. Apart from this, the teams of the institute participated in various competitions and performed brilliantly like e-Baja and e-Baja.

The institute organized a TEDx event on March 2, 2024, which provided a platform for students to share innovative ideas, inspiring stories, and thought-provoking discussions. The institute established NCC/NSS/NSO/NCA and introduces credit courses under liberal learning. The Institute and the University of California, Los Angeles (UCLA) have signed a memorandum of understanding (MoU) for student exchange under the certification programs. Similarly Institute has signed MoU with Institution located in different countries like USA, Russia, UK, Japan, Shrilanka, Ethopia and Turkey etc.

Architect Achal K Choudhary took his own example of successful Entrepreneur and asked students to work hard and keep themselves ready for life long learning. He congratulated the passing out students and wished them all the best for their future.

Honorable Chief Guest of the program Dr. A. P. Singh said that we should keep on making good use of time. Along with this, he told the students the importance of team spirit.

Mr. Yogendra Jain Vice President of IPS Academy congratulated students on their future endeavors.

Dr. A. G. Kothari, Dean of Academics in this Institute, we have incorporated NEP 2020 at its fullest. As an Alumni Student has a large responsibility to play in the development of the Institute.

Honorable Chief Guest of the program Dr. A. P. Singh Awarded the student with Dr. A.N. Patel Award, this award was given to Mohd. Noorulain of Mechanical Engineering for maximum improvement in academics at the institute level. Another award was Gold Medal Award for the topper of the institute which was given to Ms. Nisha Jangid CSEIoT Overall Topper.

IGS Gold Medal award for student scoring highest marks in Geotechnical Engineering which was conferred on to Ms. Priyanka Lilhare. Other awards include Branch Topper which is listed below

1) Ms. Priyanka Lilhare Civil Engg.
2) Ms. Simran Samadhiya Chemical Engg.
3) Mr. Akash Bagwan Electronics & Comm. Engg.
4) Ms. Priyanka Pal Electrical Engg.
5) Mr. Neelesh Kumar Rajput Fire Technology
6) Mr. Anirudh Mishra Mechanical Engg.
7) Ms. Rimjhim Pathak CSE
8) Ms. Anushka Yadav CSIT
9) Mr. Abhishek Jain CSEDS

At the end vote of thanks was proposed by Dr. Suresh Jain Prof. CSE.

Felt the feelings of student first,

Miss Nisha of 2024 batch said that graduation day celebration happens only in foreign universities. We are very happy that we are getting the honor and privilege of graduation day. We are getting this luxury treatment. The entire institute was decorated for us. We felt very proud.

Miss Anushka of 2024 batch told that our entire institute has been decorated only for us and quotations have been written at various places to motivate us. We have got many advantages of being a UGC Autonomous Institute.

Mr. Nilesh of 2024 batch said that we are proud that our institute is autonomous and our curriculum has become dynamic. We have benefited the most from this course. We have studied very advanced courses and along with this we have also worked on live projects.

UPSC CSE mains 2024: Anthropology syllabus for students who have taken it as their optional

As per the information on the official website, the Civil Services Mains Examination 2024 is scheduled to be conducted from September 20, 2024. As a part of the preparation for the UPSC CSE Mains 2024 examination, shortlisted candidates need to prepare for Essay and General Studies papers and also need to appear for optional subject papers 1 and 2.

According to the information on the official website, the Civil Services Mains Examination 2024 is scheduled to be conducted from September 20, 2024. A list of optional subjects has been listed by the commission in the official notice. Among the listed subjects, students have a choice to select Anthropology as their optional subject and appear for the Paper 1 and Paper 2 exams for a total of 250 marks each.

MAH MCA CET 2024: Admission window opens at mahacet.org, check schedule, application fee and steps to apply

The MAH MCA CET 2024 admission window has been opened on the official website at mahacet.org. Candidates can find the schedule and other details here.

The Maharashtra State Common Entrance Test Cell has begun the Centralized Admission Process (CAP) for the Master of Computer Applications (MCA) 2024 from today, July 6, 2024. Qualified candidates can submit their applications on the official website at cetcell.mahacet.org.

As per an official notice, candidates have to fill out and submit the online application form and also upload the required documents.

The notice also stated that the last date for online registration of application and uploading of required documents by the candidate is July 14, 2024, up to 5 PM.

मध्य प्रदेश: जेईई, नीट क्लैट के विद्यार्थियों को दी जाएगी फ्री कोचिंग

शिक्षा। महंगाई के इस दौर में उच्च शिक्षा हासिल करना बहुत मुश्किल हो गया है। मेडिकल, इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए अच्छे कॉलेज में एडमिशन के लिए एंट्रेस एग्जाम देना पड़ता है। जिसकी तैयारी के लिए विद्यार्थियों को कोचिंग संस्थाओं में मोटी फीस भरनी पड़ती है। आकांक्षा योजना के तहत आसान होगी तैयारी

लेकिन, बता दें कि सरकार की ये योजनाएं विद्यार्थियों की राह आसान कर रही हैं। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से संचालित आकांक्षा योजना के जरिए बिना पैसे खर्च किए निजी कोचिंग संस्थाओं में विद्यार्थी न सिर्फ तैयारी कर पाएंगे, बल्कि रहने खाने की भी व्यवस्था मिलेगी।

● ये जगहों को चुना गया है कोचिंग के लिए

योजना के तहत 2024-25 में राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षा से 400 विद्यार्थियों का चयन जेईई के लिए किया जाएगा। जेईई की कोचिंग भोपाल, नीट की कोचिंग इंदौर एवं क्लैट की कोचिंग के लिए जबलपुर को चुना है। इनमें 200-200 विद्यार्थियों को चुना जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को कोचिंग सेंटर पर भी आवासीय सुविधा दी जाएगी। तैयारी के लिए पुस्तकें, स्टेशनरी दी जाएंगी। विद्यार्थियों को टेबलेट भी दिया जाएगा।

ये विद्यार्थी कर सकते हैं आवेदन

योजना का लाभ लेने के लिए 10वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदक विद्यार्थियों का कोचिंग संस्था द्वारा ली गई प्रवेश परीक्षा में मिले प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट पर वांछित कोचिंग के लिए चयन किया जायेगा इच्छुक विद्यार्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://www.tribal.mp.gov.in/MPTAAरु पर आवेदन कर सकते हैं।

● कब हुई थी इस योजना की शुरुआत

बता दें कि यह योजना 2018-19 में जनजातीय विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई थी। इसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शासन की ओर से कराने का प्रविधान किया गया था, लेकिन कोरोना काल में योजना बंद हो गई। अब उसको शासन के निर्देश पर फिर से शुरू करने की तैयारी जनजातीय कार्य विभाग ने शुरू कर दी है।

इतने विद्यार्थियों को मिलेगी निशुल्क कोचिंग

बता दें कि, आकांक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षा से खरगोन सहित प्रदेश के 400 विद्यार्थियों का चयन जेईई के लिए किया जाएगा। जेईई की कोचिंग भोपाल, नीट की कोचिंग इंदौर में एवं क्लैट की कोचिंग के लिए जबलपुर को चुना गया है। इनमें 200-200 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इस योजना में कोचिंग के लिए चयनित विद्यार्थियों को कोचिंग सेंटर पर भी आवासीय सुविधा दी जाएगी। साथ ही उन्हें इसकी तैयारी से संबंधित पुस्तकें और स्टेशनरी सहित मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। इन विद्यार्थियों को टेबलैट भी दिया जाएगा, जिसके लिए इंटरनेट एवं डाटा प्लान की सुविधा भी निशुल्क प्रदान की जाएगी।

लागू होगा नया ड्रेस कोड: सरकारी कॉलेज में जींस-टीशर्ट नहीं पहन सकेंगे स्टूडेंट

शिक्षा। मध्यप्रदेश के सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स की यूनिफॉर्म से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। अब गवर्मेंट कॉलेज में छात्र-छात्राएं अपने मनपसंद कपड़े पहनकर नहीं जा सकेंगे। आने वाले समय में छात्रों को जींस और टी-शर्ट की जह यूनिफॉर्म पहनना होगा। आपको बता दें कि सरकारी कि उच्च शिक्षा विभाग ने अपने सभी कॉलेजों में यूनिफॉर्म लागू करने की तैयारियां शुरू कर दी है। विभाग सभी कॉलेजों में ड्रेस कोड इसी शिक्षण सत्र से लागू करेगा।ड्रेस कोड से होंगे ये फायदे ड्रेस कोड लागू होने के बाद छात्र पैंट-शर्ट और छात्राएं सलवार-कुर्ता पहनकर कॉलेज आएंगी। विभाग ने यूनिफॉर्म के रंग को तय करने का जिम्मा कॉलेजों को सौंपा है। साथ ही विभाग ने तर्क दिया है कि कॉलेजों में यूनिफॉर्म लागू होने से छात्र-छात्राओं के बीच एकरूपता और समानता की भावना पैदा होगी। वहीं गरीब-अमीर के साथ धर्म-जाति का भेद भाव भी नहीं रहेगा। साथ ही ड्रेस कोड पहनने के बाद स्टूडेंट्स के मन-मस्तिष्क में पढ़ाई के प्रति ज्यादा रुचि पैदा होगी।बाहरी स्टूडेंट्स की हो सकेगी पहचान नए ड्रेस कोड लागू होने के बाद कॉलेजों में बाहरी स्टूडेंट्स की पहचान आसानी से हो सकेगी। विभाग का ऐसा मानना है कि कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र आमतौर पर मिल-जुलकर ही रहते हैं। कई बार ऐसी भी शिकायतें मिलती हैं कि ड्रेस कोड नहीं होने की वजह से बाहर के स्टूडेंट्स कॉलेज में आ जाते है, जिसकी वजह कर विवाद की स्थिति बनती है। इन कॉलेजों में पहले लागू मध्यप्रदेश के प्राइवेट कॉलेजों के साथ-साथ ऑटोनॉमस और अनुदान प्राप्त कॉलेजों में ड्रेस कोड पहले से ही लागू है। भोपाल के नूतन कॉलेज, स्क्कॉलेज और एक्सीलेंस कॉलेज में सभी स्टूडेंट्स यूनिफॉर्म में ही कॉलेज जाते हैं। बिना यूनिफॉर्म के स्टूडेंट्स को कॉलेज में प्रवेश नहीं दिया जाता। इसी सत्र से लागू होंगे ड्रेस कोड आपको बता दें कि सरकारी कॉलेजों में इसी सत्र से लागू होने वाली यूनिफॉर्म एक जैसी नहीं होगी। हर कॉलेज का ड्रेस कोड अलग रंग का होगा। इसके लिए विभाग ने यूनिफॉर्म का रंग तय करने का निर्णय जनभागीदारी समिति और कॉलेज प्रबंधन को दिया है। दोनों मिलकर ड्रेस कोड का रंग तय करेंगे। इसकी तैयारी भी शुरू हो चुकी है।

फ्रांस में नौकरी मिलना न तो नामुमकिन है और न ही आसान

पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक हैं ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड जैसे ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हूं क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

दिल्ली के अनुविंद ने फ्रांस की एक फैशन कंपनी में नौकरी प्राप्त करके अपने सपनो को साकार किया है। उनके मुताबिक टाइम मैनेजमेंट न केवल आपको छोटे समय में फायदा पहुंचाता है बल्कि आपको इसे अपनी आदत बना लेनी चाहिए। फ्रांस में आकर मैने जाना कि इंसान को उसी चीज से पहचाना जाता है जो उसने सीखी होती है। पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक हैं ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हूं क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

बिजनेस स्कूल को चुनना

मुझे मार्केटिंग का जुनून था क्योंकि इसमें लोगों से मिलना, इनोवेशन और क्रिएटिविटी शामिल थी। ग्रेजुएशन के दौरान मार्केटिंग मेरा फेवरेट था। संभावित ग्राहक की इच्छा और जरुरतों को समझना, सुपरमार्केट में किसी प्रोडक्ट की प्लेसमेंट और मार्केटिंग रणनीति चलाने के लिए डेटा को समझना आदि मुझे हर चीज में स्पेशलाइज करना था। इन सबके ऊपर पिछले कुछ सालों में मुझे फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री से लगाव हो गया है। भारत, चीन, तुर्की, रूस और मैक्सिकों में उभरती मार्केट्स के साथ यह वो इंडस्ट्री है जो मंदी के दौरान भी अच्छी गति से बढ़ रही थी। मुझे मार्केटिंग में ऐसी डिग्री प्राप्त करनी थी जिसका फोकस फैशन पर हो। गूगल पर सर्च करने क दौरान मुझे पता कि ऐसे केवल कुछ ही संस्थान हैं और इसमें से कुछ बेस्ट बिजनेस स्कूल फ्रांस में हैं। इसके बाद मैने बिना देर किए जीमैट की तैयारी की और अपने ऐडमिशन के लिए मेहनत करने लगा। अचानक एक दिन सुबह मुझे संस्थान से ईमेल मिला कि मेरा चयन हो गया है।

जिंदगी बदलने वाला अनुभव

शुरुआती हफ्ते में मुझे कापी अजीब और उत्साहवर्धक लगा। अजीब इसलिए लगा क्योंकि यह मेरे लिए एकदम नई शुरुआत थी 30 से ज्यादा देशों के छात्र मेरी क्लास में थे। उत्साहवर्धक इसलिए लगा क्योंकि यहा सीखने के लिए काफी कुछ था।

करियर और उसके बाद

मैं हमेशा से ही फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री में काम करना चाहता था और इस स्ट्रीम में मैने श्वष्ठ॥श्वष्ठ से स्पेशलाइजेशन किया था। फ्रांस में नौकरी मिलना ना तो नामुमकिन है और न ही आसान। मुझे काफी फायदा हुआ। फ्रांस के टॉप संस्थान से ग्रेजुएशन करना अपने आप में गर्व की बात थी। पढ़ाई के दौरान मुझे कई जगह इंटर्नशिप करने का मौका मिला। मैने इंटर्नशिप की जो एक बड़ी फैशन और कॉस्मैटिक कंपनी है। फ्रांस ने केवल पेशवर तरीके से मेरी मदद की बल्कि मुझे किराए पर कमरा दिलाने और पेपरवर्क में आसानी के लिए फ्रेंच भी सिखाई। मैं पेरिस में रहने से अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं। यह दुनिया की फैशन कैपिटल है।

ये हैं ह्यूमैनिटीज के छात्रों के लिए टॉप करियर विकल्प

ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास बहुत सारे करियर ऑप्शन हैं। अगर आप भी ह्यूमेनिटीज के छात्र हैं और अपने लिए एक अच्छा करियर ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो यह आर्टिकल आपकी मदद करेगा। इस आर्टिकल में हमने कई सारे टॉप करियर ऑप्शन के बारे में बताया है।

ह्यूमेनिटीज क्षेत्र के छात्रों के पास भी साइंस और गणित के छात्रों की तरह कई करियर विकल्प होते हैं, जिनमें उन्हें अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार चुनने का विकल्प होता है। ये छात्र शिक्षा, जर्नलिज्म आदि में अपना करियर बना सकते हैं। इन क्षेत्रों में काम करने के लिए उन्हें उनकी सामाजिक समझ, कम्युनिकेशन स्किल, और क्रिएटरनेस का उपयोग करना पड़ता है। आइए जानते हैं इन जॉब्स के बारे में।

जर्नलिज्म

जर्नलिज्म को देश का चौथा पिलर माना जाता है। डिजिटलीकरण के बाद से इसमें पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि देखने को मिली है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ गए हैं। अगर आपकी जर्नलिज्म में रूचि है तो आप इस क्षेत्र में जरुर जाएं। आप न्यूज़ रिपोर्टर, फीचर राइटर, एडिटर, मल्टीमीडिया जर्नलिस्ट, संवाददाता या न्यूज एंकर बनकर अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं।

लॉ

लॉ बहुत ही प्रेस्टीजियस फ़ील्ड में से एक है। आप एलएलबी करने के बाद विभिन्न फर्म, कंपनियों और गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन में लीगल कंसल्टेंट बन सकते हैं। अपनी स्पेशलाइजेशन के साथ आप लीगल एडवाइजर के रूप में काम कर सकते हैं और क्लाइंट को विभिन्न समस्याओं पर सलाह दे सकते हैं। आप वकील के रूप में कोर्ट में भी वकालत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी परीक्षा की तयारी करके जज बनना भी एक बहुत अच्छा विकल्प है ।

टीचिंग

टीचिंग की जॉब एक बहुत ही अच्छी जॉब होने के साथ-साथ बहुत सम्माननीय जॉब भी होती है। यह एक चुनौतीपूर्ण करियर भी है, जिसमें आपको एजुकेशन के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करना पड़ता है। भारत में योग्य शिक्षकों की मांग सभी स्तरों पर बहुत ज़्यादा है। अगर आपकी रुचि भी शिक्षा और उससे संबंधित क्षेत्र में है तो आप एक टीचर बनकर बच्चे जो देश का भविष्य होते हैं उन्हें सही मार्ग दिखाकर देश की प्रगति में सहयोग कर सकते हैं।

ह्यूमन रिसोर्स

ह्यूमन रिसोर्स एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो लोगों के साथ काम करने में रुचि रखते हैं और संगठन की स्ट्रेंथ को बढ़ाने के लिए योगदान देना चाहते हैं। इसमें आप लोगों के मैनेजमेंट, विकास, और कार्यसंगठन से संबंधित काम करते हैं।

मास कम्युनिकेशन

मास कम्युनिकेशन विभिन्न माध्यमों के माध्यम से संचार की प्रक्रिया को समझने और समाचार, सूचना, और विचारों को साझा करने में मदद करता है। आप रेडियो जॉकी, विज्ञापन और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट, सोशल मीडिया मैनेजर, फिल्म और टेलीविजन निर्माता या डायरेक्टर बनकर इस फील्ड में काम कर सकते हैं।

एडवरटाइजिंग

अपने किसी भी नए प्रोडक्ट को मार्केट में लाना हो या पुराने के बारे में भी कोई जानकारी देनी हो तो एडवरटाइजिंग सबसे बेस्ट तरीका होता है। इसीलिए इस फील्ड में बहुत स्कोप है। इसमें आपके प्रभावी ढंग से लिखने और बोलने की क्षमता जैसे गुणों की आवश्यकता होती है। आप एडवरटाइजिंग मैनेजर बनकर अभियानों के लिए योजनाओं का फ्रेमवर्क तैयार करने का काम करते हैं।

राइटिंग और एडिटिंग

राइटिंग कोई नया फील्ड नहीं है जिसके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी देने की जरूरत है लेकिन यह फील्ड इतना बड़ा है कि इसमें ना तो कभी जॉब्स की कमी होती है और ना ही कभी इंसान बोर हो सकता है अगर आपको लिखने में रूचि है तो आप कॉपीराइटर और कंटेंट व्राइटर बनकर कंपनियों, विज्ञापन एजेंसियों, वेबसाइटों, ब्लॉगों, या ई-कॉमर्स साइटों के लिए कंटेंट लिख सकते हैं। आप प्रेस एजेंट और पब्लिक रिलेशन्स व्राइटर के रूप में भी काम कर सकते हैं। आप प्रोफेशनल लेखक बनकर किताब, आर्टिकल और मैगजीन लिखने का काम कर सकते हैं।
पब्लिक रिलेशन और कम्युनिकेशन - ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास अक्सर अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होती हैं। जिससे उनके लिए पब्लिक रिलेशन, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन या मार्केटिंग में करियर बनाना आसान हो जाता है। आप विज्ञापन एजेंसियों, पब्लिक रिलेशन फर्मों या कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभागों जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

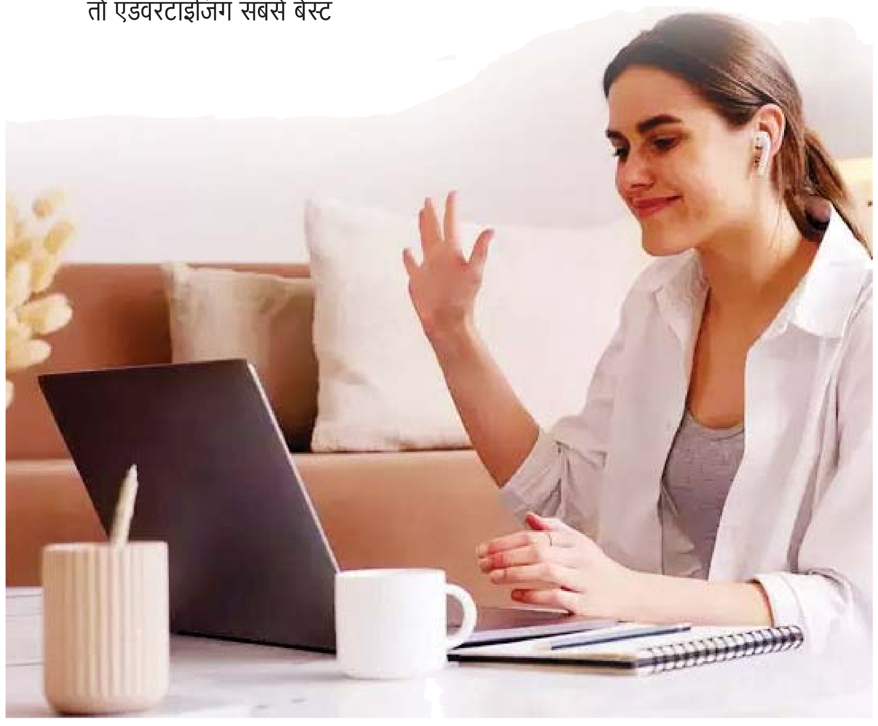

एमसीए क्यों करना चाहिए?

एमसीए करने के 5 बड़े फायदे

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) पोस्टग्रेजुएशन की डिग्री है। अच्छे कॉलेज से एमसीए करने के बाद स्टूडेंट्स की बढ़ियां नौकरी लग जाती है। यही वजह है कि हर वर्ष बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स एमसीए की पढ़ाई करते हैं। अगर आप भी एमसीए करने की सोच रहे हैं तो आइए हम आपको यहां बताते हैं कि आपको एमसीए की पढ़ाई क्यों करनी चाहिए

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) दो साल का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है। यह डिग्री आपको कंप्यूटर एप्लिकेशन डेवलपमेंट और कई तरह की प्रोग्रामिंग भाषाओं की गहन समझ हासिल करने में मदद करती है। साथ ही साथ सैद्धांतिक और प्रैक्टिकल स्किल भी प्रदान करती है। ऐसे में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) करना एक शानदार फैसला साबित हो सकता है।

एडवांस्ड नॉलेज

एमसीए कार्यक्रम में स्पेशल कंप्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शामिल हैं। आप डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म से लेकर नेटवर्क सिक्योरिटी और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट तक नवीनतम तकनीकों में गहन ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता हासिल करेंगे। यह विशेष ज्ञान न सिर्फ आपकी तकनीकी क्षमताओं को निखारता है बल्कि आपको कठिन रोजगार बाजार में एक मूल्यवान उम्मीदवार बनाता है।

करियर ग्रोथ

आज के डिजिटल युग में कंपनियों में योग्य आईटी कर्मचारियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में एमसीए की डिग्री आपको आकर्षक नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने और तेजी से कैरियर में ग्रोथ करने में सक्षम बनाती है। चाहे आपका सपना प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, कंप्यूटर विश्लेषक या फिर प्रोग्राम आर्किटेक्ट या आईटी सलाहकार ही बनना हो। इन सबके अलावा एमसीए आपको करियर के कई अन्य मौके भी देता है।

विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री

एमसीए की डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो छात्रों को देश और विदेश दोनों जगहों पर नौकरी के अवसर तलाशने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। चाहे आपके कैरियर के लक्ष्य सरकारी संगठनों, तकनीक-आधारित स्टार्टअप्स ही क्यों न हों।

इंडस्ट्री के अनुसार

एमसीए को इंडस्ट्री को ध्यान में रखकर बनाया गया है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ तालमेल रखने के लिए छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे सूचना सुरक्षा, ऑनलाइन कंप्यूटिंग, मशीन के एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बारे में जानने का मौका मिलता है। आज के प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में एमसीए की डिग्री रखने से काफी फायदा होता है क्योंकि कंपनियां आधुनिक कौशल और दक्षता को बहुत महत्व देती हैं।

नेटवर्किंग के अवसर

एमसीए करने से आपको शिक्षकों, अन्य छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संबंध बनाने के कई मौके मिलते हैं। बिजनेस वर्कशॉप, इंटर्नशिप, गेस्ट लेक्चर्स, पूर्व छात्र सम्मेलन या अन्य माध्यमों से छात्रों को ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलता है जो उन्हें महत्वपूर्ण सलाह, करियर संबंधी सुझाव और मार्गदर्शन दे सकते हैं। एक मजबूत प्रोफेशनल नेटवर्क विकसित करना न केवल आपको अच्छी नौकरी पाने की संभावनाओं को बढ़ाता है बल्कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में दिलचस्प करियर के द्वार भी खोलता है।

साउंड इंजीनियरिंग के टॉप करियर ऑप्शन

साउंड इंजीनियरिंग एक ऐसी स्ट्रीम है जिसमें आर्ट और साइंस एक साथ आते हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न मीडिया जैसे कि वीडियो गेम, संगीत, फिल्में, टेलीविजन और रेडियो में उपयोग करने के लिए ऑडियो को बनाना, मिक्स करना, रिकॉर्डिंग और एडिटिंग का मुश्किल प्रोसेस शामिल है।

किसी विशेष कार्य के लिए बेस्ट ऑडियो गुणवत्ता की गारंटी देना ही साउंड इंजीनियरिंग है। इसके डायवर्स क्षेत्र को तकनीकी विशेषज्ञता और आर्टिस्टिक सेंसटिविटी दोनों में स्ट्रोंग बेस की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों को साउंड फिजिक्स में काबिल होना चाहिए, विभिन्न प्रकार के ऑडियो उपकरणों में निपुण होना चाहिए और ऑडियो क्रिएशन की आर्ट में कुशल होना चाहिए। एक साउंड मिक्सिंग इंजीनियर वह व्यक्ति होता है जो ऑडियो की आर्ट और साइंस को जानता है। यह व्यक्ति ऑडियो एलेमेंट्स को मिक्स और बैलेंस करता है। इस आर्टिकल में साउंड इंजीनियरिंग की दुनिया, योग्यताओं, करियर विकल्पों के बारे में बताया गया है।

म्यूजिक प्रोडक्शन

संगीत रिकॉर्ड करने और बनाने के लिए, रिकॉर्डिंग स्टूडियो में साउंड इंजीनियर संगीतकारों के साथ काम करते हैं। वे सावधानीपूर्वक अलग-अलग लेवेल्स को मिक्स करते हैं और ट्रैक बनाते हैं, जिससे संगीत रचनाओं की साउंड टेपेस्ट्री बनती है।

लाइव साउंड

इस डोमेन के विशेषज्ञ एथलेटिक इवेंट, थिएटर शो और संगीत कार्यक्रम जैसे लाइव इवेंट के दौरान ऑडियो को सँभालते हैं। इसका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि दर्शकों को एररलेस ऑडियो अनुभव मिले।

फिल्म और टेलीविजन

विजुअल मीडिया के दायरे में, साउंड इंजीनियर फिल्मों, टीवी सीरीज और विज्ञापनों के लिए ऑडियो रिकॉर्ड करने और एडिट करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। उनकी विशेषज्ञता डायलॉग और साउंड इफैक्ट्स में जान डाल देती है।

गेमिंग इंडस्ट्री

साउंड इंजीनियर डीप और कंपलेक्स साउंड लैंडस्केप को और प्रभावी बनाकर गेमिंग डोमेन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिससे आपको रियल गेमिंग अनुभव मिलता है।

रेडियो और प्रसारण

रेडियो स्टेशन और प्रसारण स्टूडियो, ऑडियो की हाईएस्ट क्वालिटी बनाए रखने के लिए साउंड इंजीनियरों पर बड़े पैमाने पर निर्भर करते हैं। ये प्रोफेशनल सुनिश्चित करते हैं कि रेडियो प्रसारण और अन्य ऑडियो सामग्री लगातार कड़े मानकों को पूरा करें।

पोस्ट-प्रोडक्शन

पोस्ट-प्रोडक्शन में विशेषज्ञता रखने वाले साउंड इंजीनियर इनिशियल रिकॉर्डिंग फेज के बाद परियोजनाओं पर काम शुरू करते हैं, विशिष्ट परियोजना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक ऑडियो रीसर्च और एडिटिंग करते हैं।

पुर्तगाल वर्सेस फ्रांसः

यूरो कप 2024 में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हुई पुर्तगाल, अब स्पेन से सामना

बर्लिन, एजेंसी। फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था। फ्रांस की टीम यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने शुक्रवार खेले गए मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हरा दिया। इस हार के साथ पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई, जबकि फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था।

टी-20 वर्ल्ड चैंपियन के स्वागत में पूरा हैदराबाद शहर सड़कों पर उमड़ आया

मोहम्मद सिराज का हीरो की तरह वेलकम

हैदराबाद, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज पांच जुलाई को अपने होमटाउन हैदराबाद पहुंचे। इस दौरान मोतियों के शहर ने सिराज का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दाएं हाथ के इस स्टार तेज गेंदबाज ने पिछले महीने टी-20 विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

अपने लोकल हीरो का हैदराबाद के लोगों ने दिल खोलकर स्वागत किया। भारत की विश्व कप विजेता टीम में शामिल होने वाले हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े एकमात्र क्रिकेटर सिराज का स्वागत करने के लिए प्रशंसक बड़ी संख्या में उमड़ पड़े। मोहम्मद सिराज सिर्फ लीग स्टेज राउंड ही खेल पाए थे। सुपर-8 और नॉकआउट स्टेज के लिए वह प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में असफल रहे, लेकिन तीन मैच में दो फील्डिंग मेडल और एक विकेट के साथ उनका योगदान नकारा नहीं जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

अभय सिंह एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप के दो सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभाशाली अभय सिंह जोहोर (मलेशिया) में चल रही एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप में दो सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शुक्रवार को, एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिश्रित युगल के अंतिम चार में पहुंच गए और राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार के साथ पुरुषों के ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहे और सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुष वर्ग में, अभय और वेलावन ने मलेशिया के हाफ़िज़ ज़फ़री / डंकन ली को 11-3, 11-9; से तथा हांगकांग के लाउ त्सज़ क्वान / चुंग याट लुंग को 11-8, 11-10 से हराया । मिश्रित युगल में क्वार्टरफ़ाइनल में अभय और जोशना ने मलेशियाई जोड़ी सयाफिक कमाल / ऐरा आज़मान को 11-9, 11-6 से पराजित किया।

पुर्तगाल वर्सेस फ्रांसः

यूरो कप 2024 में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हुई पुर्तगाल, अब स्पेन से सामना

बर्लिन, एजेंसी। फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था। फ्रांस की टीम यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

उसने शुक्रवार खेले गए मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हरा दिया। इस हार के साथ पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई, जबकि फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था।

ओलंपिक 2028 में खेलेंगे विराट और रोहित, राहुल द्रविड़ ने किया खुलासा!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने 17 सालों के टी20 वर्ल्ड कप के इंतजार को खत्म किया और 4 जुलाई को भारत पहुंचे। जहां सबसे पहले वह भारत के प्रधानमंत्री से मिलने के लिए पीएम आवास पहुंचे।

इस दौरान पीएम मोदी ने टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके अनुभवों के बारे में जाना। प्रधानमंत्री से मिलने के लिए टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ भी पहुंचे थे। राहुल द्रविड़ ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 2028 ओलंपिक के लिए भारत की तैयारियों के बारे में अपने विचार साझा किए

विराट ने जोड़ लिए हाथ

हेड कोच के इस बात से वहां बैठे सभी क्रिकेटर और पीएम मोदी को हंसने लगे क्योंकि पिछले हफ्ते वर्ल्ड कप फाइनल खत्म होने के बाद रोहित और विराट दोनों ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास की घोषणा की थी।

राहुल द्रविड़ ने कहा कि मोदीजी, हम क्रिकेटरों को ओलंपिक में भाग लेने का अवसर नहीं मिलता, लेकिन अब क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा बनने जा रहा है। यह क्रिकेटरों, देश और क्रिकेट बोर्ड के लिए बहुत बड़ी बात होने जा रही है। हमें टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। और दूसरे खिलाड़ियों के साथ रहना, उनसे सीखना, बहुत अच्छी बात है।

राहुल का बड़ा बयान

इस दौरान राहुल द्रविड़ ने कुछ ऐसा कह दिया जिसे सुनकर वहां बैठा हर कोई हंस पड़ा। द्रविड़ ने ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने के महत्व के बारे में बात की और कहा कि यह क्रिकेट के लिए गर्व की बात है। अपनी बातचीत के अंत में द्रविड़ ने कहा कि 2024 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी, जिनमें युवा रोहित और विराट भी शामिल हैं, 2028 ओलंपिक में भाग लेंगे।

गॉफ ने कार्टल को हराया, राडुकानू सकारी को हराकर चौथे दौर में

लंदन, एजेंसी। दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ ने खचाखच भरे नंबर 1 कोर्ट पर ब्रिटिश क्वालीफायर सोने कार्टल को सीधे सेटों में 6-4, 6-0 से हरा दिया, जबकि पूर्व यूएस ओपन विजेता और वाइल्ड कार्ड एम्मा राडुकानू नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी को हराकर शुक्रवार को यहां विंबलडन में महिला एकल के चौथे दौर में पहुंच गईं। दुनिया की 298वें नंबर की कार्टल शुक्रवार को आत्मविश्वास के साथ कोर्ट पर उतरी थीं और ओपन युग में क्वालीफाइंग के बाद तीसरे दौर में पहुंचने वाली वह केवल दूसरी ब्रिटिश महिला थीं। वह शायद गॉफ का अनुकरण करने की उम्मीद कर रही होंगी, जिन्होंने 2019 में इसी कोर्ट पर 15 साल की उम्र में सनसनी फैला दी थी, जब उन्होंने पांच बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को चौंका दिया था। लेकिन कार्टल की यात्रा केवल एक घंटे में समाप्त हो गई क्योंकि गॉफ उससे आगे निकल गई और कुल मिलाकर केवल चार गेम ही गंवाए। जैसे ही बंद नंबर 1 कोर्ट की छत पर बारिश हुई, गॉफ दूसरे सप्ताह तक पहुंचने के लिए आसान विजेता बनकर उभरी और यहां अब तक के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। यूएस ओपन चैंपियन को अगर यहां अपना प्रवास बढ़ाना है तो उन्हें अगले दौर में तेजी से उभरती हमवतन एम्मा नवारो को हराना होगा। जब गॉफ़ एक स्थानीय स्टार से बेहतर प्रदर्शन कर रही थी, तभी एक और स्टार ने मौके का फायदा उठाया और एक वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराकर चौथे दौर में पहुंच गई। राडुकानू ने नंबर 9 वरीयता प्राप्त मारिया सकारी पर 6-2, 6-3 से जीत के साथ विंबलडन के दूसरे सप्ताह में ब्रिटिश प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया।

नामीबिया में पंजाब का शानदार प्रदर्शन

पांच मैच की वनडे सीरीज में टीम 2-0 से जीती, युवा खिलाड़ियों का ऑलराउंड प्रदर्शन

मोहाली, एजेंसी। नामीबिया दौरे पर गई पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) की युवा टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम ने अपने पहले दोनों वनडे मैच में जीत दर्ज की और 2-0 की बढ़त बना ली। पंजाब ने इस दौरे पर ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। पहले मैच में नमन धीर को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि दूसरे मैच में पांच विकेट लेने वाले मयंक मार्कंडेय मैन ऑफ द मैच चुने गए। शेर-ए-पंजाब टी-20 कप के शानदार प्रदर्शन के बाद पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने अपने युवा खिलाड़ियों को इंटरनेशनल एक्सपोजर देने के लिए टूर पर भेजा।

युवा खिलाड़ियों ने किसी को निराश नहीं किया। पहला मैच टीम पंजाब ने तीन विकेट से जीता, जबकि दूसरे मुकाबले को उन्होंने 87 रन से अपने नाम किया। इस दौरे का फायदा टीम को आगामी डोमेस्टिक टूर्नामेंट में मिलेगा और वे अच्छी टीम बॉन्डिंग के साथ मैदान पर उतरेंगे। नामीबिया दौरे के पहले वनडे मैच में पंजाब ने पहले बॉलिंग की और मेजबान नामीबिया टीम 41.3 ओवर में 173/10 रन बनाकर सिमट गई। सिद्धार्थ कौल और नमन धीर ने 3-3 विकेट झटके, जबकि गुरनूर बराड़ को दो सफलताएं मिलीं। सनवीर सिंह और हरप्रीत ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में उतरी टीम पंजाब ने 33 ओवर में 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली। नमन धीर ने 61 रन की पारी खेली और सनवीर सिंह ने उनका साथ देते हुए 70 रन बनाए। वहीं, दूसरे मैच में पंजाब ने नामीबिया को 87 रन से मात दी।

निर्देशकों के प्यार में पड़ीं ये टीवी हसीनाएं, सेट से सात फेरे तक का तय किया सफर

सेट पर जोड़ियां बनना कोई नई बात नहीं है। कई बॉलीवुड सितारे फिल्मों के सेट पर दिल हारने के बाद एक-दूसरे से शादी कर चुकी हैं। ऐसा सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं है, बल्कि कई टीवी धारावाहिकों के सेट पर भी सितारों की जोड़ियां बन चुकी हैं। टीवी के सेट पर न सिर्फ अभिनेता और अभिनेत्रियों के बीच मे इश्क के पेंच लड़े हैं, बल्कि अभिनेत्रियों और निर्देशकों की जोड़ी भी बन चुकी है। जी हां टीवी की कई हसीनाएं निर्देशकों पर दिल हार बैठी और बाद में इन्होंने शादी भी रचा ली। तो चलिए जानते हैं इन हसीनाओं के बारे में....

दीपिका सिंह

टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री दीपिका सिंह का नाम इस लिस्ट में पहले नंबर पर आता है। दीपिका को सीरीयल दीया और बाती हम से घर-घर में पहचान मिली थी। इसी शो के बाद उन्होंने शादी रचा ली थी। दीपिका ने शो के डायरेक्टर रोहित गोयल के साथ शादी रचाई है। दोनों को सेट पर एक-दूसरे के साथ काम करते हुए प्यार हो गया था। बाद में दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे।

ज्योत्सना चंदोला

अभिनेत्री ज्योत्सना चंदोला का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। ज्योत्सना चंदोला कई टीवी सीरीयल में अपने शानदार अभिनय के जलवा बिखेर चुकी हैं। ज्योत्सना को ससुराल सिमर का के उनके किरदार के लिए काफी प्रशंसा मिली थी। उन्होंने इसी शो के निर्देशक नितेश के साथ शादी रचाई। दोनों को शो के सेट पर प्यार हो गया था।

मानसी साल्वी

मानसी साल्वी टीवी का जाना-माना नाम हैं। वह कई टीवी धारावाहिकों में अपनी शादी अदाकारी से दर्शकों का दिल लूट चुकी हैं। इस लिस्ट में उनका नाम भी शामिल है। अभिनेत्री ने अपने शो सती सत्य की शक्ति के निर्देशक हेमंत आर प्रभु संग सात फेरे लिए थे। शो पर एक-दूसरे पर दिल हारने के बाद दोनों ने सात जन्मों का सफर तय किया।

प्रिया आहूजा

फेमस कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रीता रिपोर्टर का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री प्रिया आहूजा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। उन्होंने इसी शो के निर्देशक मालव राजदा के साथ शादी की है। प्रिया आहूजा को देश के घर-घर में रीता रिपोर्टर के रूप में खूब पहचान मिली है।

विभाजन के काले इतिहास पर प्रकाश डालेगी राइमा सेन की फिल्म

राइमा सेन और अभिषेक सिंह अभिनीत, फ़िल्म का टीज़र दर्शकों को 16 अगस्त, 1946 की घटनाओं की याद दिलाता है, जिसमें बंगाल में हिंदुओं पर की गई क्रूरता और उसके बाद ब्रिटिश भारत में विभाजन की आग फैलने का खुलासा किया गया है। इस साल इन घटनाओं की 78वीं वर्षगांठ के अवसर पर रिलीज़ होने वाली यह फ़िल्म क्रूर नरसंहार में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देती है और इसका उद्देश्य उन राजनीतिक षड्यंत्रों को उजागर करना है, जिनके कारण 20वीं सदी का सबसे बड़ा मानवीय संकट पैदा हुआ। यह इस बात पर भी प्रकाश डालती है कि इन घटनाओं के दुष्परिणाम आज भी कैसे महसूस किए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

झटके के साथ 20वीं मंजिल से फर्स्ट फ्लोर पर पहुंची लिफ्ट, गुरुग्राम की हाईराइज सोसाइटी में हादसा टला

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम सेक्टर-84 स्थित अंतरिक्ष हाइट्स सोसाइटी के एजी टावर की लिफ्ट 20वीं मंजिल से पहली मंजिल पर आकर झटके से रुकी। इस हादसे में लिफ्ट के अंदर फंसी महिला बाल-बाल बच गई। महिला को करीब 15 मिनट के बाद लिफ्ट से बाहर निकाला गया। इसके बाद महिला ने अंतरिक्ष हाइट्स फ्लैट्स बायर एसोसिएशन के पदाधिकारियों को साथ लेकर खेड़की दौला थाने में शिकायत दी। पुलिस ने जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। अंतरिक्ष हाइट्स निवासी सविता शर्मा का एजी टावर की 20वीं मंजिल पर फ्लैट है। शुक्रवार दोपहर को करीब सवा एक बजे वह लिफ्ट में गई और ग्राउंड फ्लोर की लिफ्ट का बटन दबा दिया। अचानक लिफ्ट पहली मंजिल पर झटके से आकर रुक गई। महिला ने अलार्म बजाया और शोर मचाया। महिला की आवाज सुनकर सोसाइटी निवासी जमा हुए। लिफ्ट को चाबी से खोलकर महिला को बाहर निकाला गया। करीब 15 मिनट तक लिफ्ट में यह महिला फंसी रही। सविता शर्मा ने सोसाइटी के लोगों को बताया कि लिफ्ट में चढ़ने के बाद उन्हें ऐसा लगा कि जैसे ऊपर से कोई तार टूट गए हैं। तेजी के साथ लिफ्ट झटके के साथ पहली मंजिल पर आकर रुक गई। उन्होंने कहा कि इस तरह का लिफ्ट में उनका पहला अनुभव था। इसमें जान भी जा सकती थी। शर्मा ने थाना खेड़की दौला में शिकायत दी इस मामले में अंतरिक्ष हाइट्स फ्लैट बायर एसोसिएशन के प्रधान रिटायर्ड विंग कमांडर योगेश चौहान का कहना है कि उनकी सोसाइटी में 13 टावर हैं, जिनमें 26 लिफ्ट हैं। करीब 750 परिवार रहते हैं। चौहान के मुताबिक, अधिकांश लिफ्ट खराब हैं, जिसकी वजह से आए दिन कोई न कोई घटना हो रही है। उन्होंने बताया कि लिफ्ट के लाइसेंस की समयावधि समाप्त हो चुकी है। उन्होंने इलेक्ट्रिक इंस्पेक्ट्रेट की तरफ से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र पर सवाल उठाए। मनीष यादव, डीटीपीई, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, अंतरिक्ष हाइट्स सोसाइटी में लिफ्ट सीधे नीचे आने की शिकायत उनके पास नहीं पहुंची है। वैसे तो यह मामला इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्ट्रेट के दायरे में आता है, लेकिन वे एक टीम को इस सोसाइटी में भेजेंगे। बिल्डर को नोटिस देकर जवाब तलब किया जाएगा।

मनीष सिसोदिया को फिर लगा झटका, कोर्ट ने 15 जुलाई तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद आप नेता मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। उनकी न्यायिक हिरासत सीबीआई के मामले में बढ़ाई गई है। आज यानी 6 जुलाई को उनकी न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद सीबीआई ने उन्हें कोर्ट में पेश किया था जिसके बाद कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। सीबीआई की गिरफ्तारी के बाद मनीष सिसोदिया पिछले साल 26 फरवरी से हिरासत में है। इसके बाद ईडी ने भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले बुधवार को दिल्ली की एक कोर्ट ने मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। इसी के साथ कोर्ट ने ईडी को आरोपी व्यक्तियों को दो दिनों के भीतर चार्जशीट और दस्तावेजों की कॉपियों उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। इससे पहले ईडी ने दिल्ली शराब घोटाले से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नौवीं चार्जशीट दायर की थी और विनोद चौहान नाम के व्यक्ति को आरोपी बनाया था। ईडी ने जांच के तहत मई में चौहान को गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने कहा कि यहां धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में नई और नौवीं अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) दायर की गई जिसमें आरोपी का नाम विनोद चौहान है। इस मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया वह 18वां व्यक्ति है। एजेंसी ने इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, बीआरएस नेता और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता तथा कई शराब कारोबारियों और अन्य को भी हिरासत में लिया था।

दिल्लीवालों को अभी और परेशान करेगी उमस, बारिश पर आईएमडी का अनुमान

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में अभी तेज बारिश के आसार नहीं है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले छह दिन तक दिल्ली में बादलों की आवाजाही रहेगी और बीच-बीच में हल्की बारिश हो सकती है। इससे तापमान में बहुत ज्यादा इजाफा तो नहीं होगा, लेकिन लोगों को उमस परेशान करेगी।

दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में शुक्रवार सुबह से ही बादल छाए रहे। इस दौरान कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के सफदरजंग, लोधी रोड और रिज केंद्र ने हल्की बारिश दर्ज की है। हालांकि, बादलों की आवाजाही के चलते तापमान में बहुत तेजी से इजाफा नहीं हुआ, जबकि मौसम में मौजूद नमी के चलते लोगों को उमस का सामना करना पड़ा। आर्द्रता का स्तर 91 फीसदी तक बढ़ा = दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से एक डिग्री कम है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 91 से 73 फीसदी तक रही।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले छह दिन के बीच दिल्ली में हल्की बारिश होगी। इस दौरान बीच-बीच में मौसम सुहाना भी होगा, लेकिन उमस के कारण हाल-बेहाल हो सकते हैं। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। इस दौरान 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

दिल्ली में हो रही हल्की बारिश ने प्रदूषण के स्तर पर खासा असर डाला है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 77 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। यह लगातार दूसरा दिन है, जब सूचकांक 100 से नीचे है। गुरुवार को सूचकांक 61 के अंक पर रहा था। जो कि इस साल का सबसे ज्यादा साफ स्तर है।

दिल्ली में जून के दिन और रात दोनों ही गर्म थे। मौसम विभाग की ओर से जारी मासिक बुलेटिन के मुताबिक, जून में दिल्ली के दिन सामान्य से लगभग तीन डिग्री ज्यादा गर्म थे, जबकि रातें सामान्य से दो डिग्री ज्यादा गर्म थीं। दिल्ली में जून का औसत अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस है। इस बार 41.9 डिग्री रहा है। न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस रहता है, लेकिन इस बार जून का औसत न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस यानी सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। लोगों को जून में नौ दिन लू की स्थिति का सामना करना पड़ा।

नोएडा एयरपोर्ट के पास मिल रहा प्लॉट खरीदने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। जेवर में बन रहे नोएडा एयरपोर्ट के पास घर बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) ने सेक्टर-16, 18, 20, 22डी में अलग-अलग श्रेणी के 361 आवासीय भूखंडों की योजना निकाली है। भूखंडों का आवंटन ड्रॉ के जरिये किया जाएगा।

प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार से योजना की शुरुआत हो चुकी है। कोई भी व्यक्ति 5 अगस्त तक योजना में पंजीकरण करा सकता है। प्रत्येक श्रेणी में प्लॉट के क्षेत्रफल के आधार पर रजिस्ट्रेशन फीस तय की गई है। सभी प्लॉट एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के पास हैं। आवंटी को 25,900 रुपये प्रति वर्गमीटर से चुकाने होंगे। 60 दिनों में आवंटी को पूरा भुगतान करना होगा। योजना में किसानों को 17.5 प्रतिशत का लाभ मिलेगा, यानी 63 प्लॉट किसानों के लिए आरक्षित रहेंगे।

दिसंबर में एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू करने की तैयारी है। इसके अलावा फिल्म सिटी का निर्माण भी छह माह के अंदर शुरू हो जाएगा। चार सेक्टरों की एयरपोर्ट और फिल्म सिटी से दूरी औसतन 10 किलोमीटर या इससे कम है। योजना के तहत 120 से लेकर चार हजार वर्गमीटर तक के प्लॉट हैं। योजना के तहत 20 सितंबर को ड्रॉ की प्रक्रिया पूरी होगी। ड्रॉ के माध्यम से, जिसका नाम पर्ची में निकलेगा, प्लॉट उसी को आवंटित कर दिया जाएगा। आवंटी को 60 दिनों में पूरा भुगतान करना होगा। 61वें दिन से जुर्माना लगना शुरू हो जाएगा। वहीं 10 प्रतिशत ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट) रखी गई है, यानि आवेदन करते समय प्लॉट की कीमत का 10 प्रतिशत पैसा जमा करना होगा।

गुरुग्राम की सोसाइटियों में प्लास्टर गिरने पर 32 बिल्डरों को नोटिस, 7 दिन का दिया अल्टीमेटम

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम की अलग-अलग सोसाइटियों में लगातार प्लास्टर गिरने की घटनाओं को नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने गंभीरता से लिया है। शुक्रवार को डीटीपीई ने 38 सोसाइटियों को लेकर 32 बिल्डर को नोटिस दिया है। इनमें पारस बिल्डर की दो, रहेजा लिमिटेड की तीन, ओरिस बिल्डर की दो, सीएचडी की दो सोसाइटियां शामिल हैं।

अगले सात दिन के अंदर कमियों को दूर करने का आदेश दिया गया है। शुक्रवार को भी सेक्टर-107 स्थित सिग्नेचर सोलेरा सोसाइटी में एक वकील के सिर पर प्लास्टर गिर गया था। इससे उनका सर फट गया था।

डीटीपीई ने नोटिस में कहा है कि मॉनसून शुरू हो चुका है। ऐसे में रिहायशी सोसाइटियों के टावर में जहां-जहां प्लास्टर में दरार नजर आ रही हैं, उसकी 7 दिन के अंदर मरम्मत की जाए। इसके अलावा बरसाती और सीवर पानी की निकासी का उचित बंदोबस्त किया जाए। यदि प्लास्टर गिरने की वजह से किसी तरह का हादसा होता है तो उसकी सारी जिम्मेदारी बिल्डर की रहेगी। इन सोसाइटियों को लेकर नोटिस दिया = सेक्टर-107 की सिग्नेचर सोलेरा, सेक्टर-106 की पारस ड्यूज, सेक्टर-83 की वाटिका जी-21, सेक्टर-82 की मैप्सको रॉयल विला, सेक्टर-107 की एम3एम वुडशायर, सेक्टर-70ए की पारस आईरीन, सेक्टर-48 की सेंट्रल पार्क आदि सोसाइटियों को नोटिस दिया गया है।

सेक्टर-109 स्थित चिंटल पैराडाइसो हादसे के बाद पिछले दो साल में 70 सोसाइटियों की तरफ से सरंचनात्मक ऑडिट करवाने की शिकायत डीटीपीई कार्यालय में पहुंचीं थी। डीटीपीई कार्यालय ने डेढ़ साल पहले निरीक्षण के बाद पहले चरण में 15 और दूसरे चरण में 23 सोसाइटियों का सरंचनात्मक ऑडिट करवाने का फैसला लिया था। अभी ऑडिट की प्रक्रिया चल रही है। इन सभी सोसाइटियों से दीवारों, बालकनी से प्लास्टर गिरने की शिकायत पहुंचीं थी। ऐसे में डीटीपीई ने सभी सोसाइटियों के बिल्डर को सात दिन के अंदर कमियों को दुरुस्त करने के लिए नोटिस दिया है। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे वकील विकास डबास ने बताया कि वह सिग्नेचर सोलेरा सोसाइटी के ए-दो टावर की 14वीं मंजिल पर फ्लैट में तीन साल से रहते हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा करेगी महामथंन, 2,000 से अधिक लोग होंगे शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी कमर कस ली है। पार्टी नेताओं ने कहा कि दिल्ली भाजपा रविवार को अपनी विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक करेगी, जिसमें अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

पार्टी के एक नेता ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में होने वाली बैठक में दिल्ली प्रदेश भाजपा के सदस्यों और जिला तथा वार्ड स्तर के पदाधिकारियों सहित 2,000 से अधिक लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि बैठक का फोकस 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर होगा और अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

भाजपा ने दो दशक से अधिक समय से दिल्ली में कोई विधानसभा चुनाव नहीं जीता है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) 2015 और 2020 में लगातार दो बार भारी बहुमत से चुनाव जीतकर दिल्ली की सत्ता में है।

हाल के आम चुनावों में दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर भाजपा की जीत का हवाला देते हुए पार्टी नेताओं ने उम्मीद जताई कि इस बार विधानसभा चुनाव में भी पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। पार्टी नेताओं ने बताया कि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बैठक को संबोधित करेंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि बैठक में कई राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में दिल्ली में लोकसभा चुनाव में भाजपा की भारी जीत के लिए दिल्ली की जनता और पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देने के अलावा आगामी विधानसभा चुनावों पर भी चर्चा होगी। सचदेवा ने कहा कि बैठक में हिस्सा लेने वाले सदस्यों की संख्या अधिक है क्योंकि यह एक विस्तारित कार्यकारी समिति की बैठक है।

दिल्ली भाजपा की कार्यकारी समिति में 300 से अधिक सदस्य हैं, जिनमें वर्तमान और पूर्व पार्टी पदाधिकारी, निर्वाचित प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हैं। बता दें कि, 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में भाजपा के 8 विधायक हैं, जबकि अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप के पास 61 विधायक हैं। पटेल नगर से विधायक राज कुमार आनंद द्वारा आप छोड़ने और बसपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

बदलाव तो अब शुरू होगा: कीर स्टार्मर सनक के अतिरिक्त प्रयासों की सराहना की

लंदन, एजेंसी। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद आधिकारिक रूप से ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए। ब्रिटेन के ऐतिहासिक आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है। 61 साल के लेबर नेता स्टार्मर अपनी पत्नी विक्टोरिया स्टार्मर के साथ राजमहल पहुंचे। निवर्तमान नेता ऋषि सुनक ने चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली है और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले, ऋषि सुनक ने महाराजा से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय नवीनीकरण के एक चरण का वादा किया है। शुक्रवार को सुबह लेबर पार्टी को संसद में बहुमत के लिए आवश्यक 326 सीटों पर जीत मिल गई। उसके बाद स्टार्मर ने लंदन में अपना विजय भाषण देते हुए कहा, परिवर्तन अब शुरू होता है। यह अच्छा लगता है, मुझे ईमानदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के जनादेश साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी मिलती है। हमारा कार्य इस देश को एक साथ रखने वाले विचारों को नवीनीकृत करने से कम नहीं है। राष्ट्रीय नवीनीकरण। बाद में, नए प्रधानमंत्री स्टार्मर ब्रिटेन के 58वें नेता के रूप में कार्यभार संभालने के लिए डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे। उन्होंने ब्रिटेन के पहले ब्रिटिश-एशियाई प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के अतिरिक्त प्रयासों की सराहना की। देश ने बदलाव के लिए मतदान किया है और हम सबको साथ मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। बता दें कि सुनक ने उन दिवाली उत्सवों को याद किया। जो उन्होंने भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में डाउनिंग स्ट्रीट पर अपने परिवार के साथ मनाए थे। सुनक का कार्यकाल करीब 20 महीना रहा और प्रधानमंत्री के रूप में अपने विदाई भाषण में वह भावुक हो गए।

कैरेबिया में बेरिल तूफान का कहर, 10 लाख से अधिक लोग हुए प्रभावित; अब तक 11 की मौत

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। बेरिल तूफान से जमैका और कैरेबिया में तबाही का मंजर बना हुआ है। इस शक्तिशाली तूफान से कई लोगों की मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायतकर्ता राहत कार्य में जुटे हुए है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम कर रहे है। इस बीच ह ने बताया कि कैरीबियाई क्षेत्र में तूफान बेरिल से 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने शुक्रवार को कहा कि सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में लगभग 40,000 लोग, ग्रेनेडा में 110,000 से अधिक लोग और जमैका में 920,000 लोग प्रभावित हुए हैं। कैटेगरी 4 के तूफान बेरिल ने अब तक कम से कम 11 लोगों की जान ले ली है। सोमवार को ग्रेनेडा और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में भारी तबाही मचाई। वहीं, बुधवार को जमैका में भी पूरा जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, तूफान फिलहाल बेलीज और मैक्सिको को प्रभावित कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने बताया कि ग्रेनेडा में तूफान ने कैरियाको और पेटिट मार्टीनिक द्वीपों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जहां 70 प्रतिशत और 97 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में यूनियन द्वीप पर 90 प्रतिशत घर प्रभावित हुए, जबकि कैनुआन द्वीप पर लगभग सभी इमारतों को नुकसान पहुंचा। टीमें तैनात की हैं और ग्रेनेडा, जमैका और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में मानवीय अभियान शुरू करने के लिए संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष से 4 मिलियन डॉलर उपलब्ध कराए गए हैं। ओसीएचए ने आगे बताया कि हम तूफान बेरिल से हुई तबाही का आकलन करने और उससे निपटने के लिए अधिकारियों, कैरेबियन आपदा आपातकालीन एजेंसी और हमारे साझेदारों के साथ मिलकर काम करना और समर्थन करना जारी रखेंगे।

चीफ जस्टिस से परेशान इमरान खान, बोले-सुधार नहीं हुआ तो करेंगे भूख हड़ताल

रावलपिंडी, एजेंसी।
पाकिस्तानी जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चीफ जस्टिस के एक तरफा फैसलों के खिलाफ भूख हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। जेल में इमरान खान से मिलने गए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा अपने एक तरफा फैसलों को नहीं सुधारते और पीटीआई के वर्करों, नेताओं और इमरान खान के खिलाफ इसी तरह के गलत फैसले देते रहे, तो पार्टी के सबसे बड़े नेता भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

पीटीआई के नेता शमीम नकवी ने कहा कि अगर इमरान खान जेल के अंदर भूख हड़ताल पर बैठते हैं तो इससे पूरे देश में भूख हड़ताल शुरू हो सकती है, जो कि देश की सेहत के लिए अच्छी बात नहीं होगी। रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद इमरान ने मुख्य न्यायाधीश की अपने और अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं से जुड़े केसों में जरूरत से ज्यादा भागीदारी पर भी सवाल उठाए। 71 वर्षीय नेता ने कहा कि मेरी लीगल टीम ने लगातार इस बात को लेकर अपनी चिंताओं को मेरे सामने रखा है कि हमारे मामले की हर सुनवाई में चीफ जस्टिस शामिल होते हैं और लगातार हर फैसला हमारे खिलाफ ही जाता दिखता है, जिससे पार्टी कार्यकर्तोओं में यह भावना बनने लगी है कि इस तरीके से हमें न्याय नहीं मिलेगा। अगर चीफ जस्टिस अपने रवैए में बदलाव नहीं करते हैं और हमें न्याय नहीं देते हैं तो मैं भूख हड़ताल पर बैठ जाऊंगा। इमरान ने कहा कि पूर्व न्यायधीश गुलजार अहमद ने कहा था कि ईसा पीटीआई के मामलों की सुनवाई नहीं कर सकते, लेकिन अब ईसा लगभग हर केस की बैंच में शामिल होते हैं। पीटीआई के लीगल टीम का मानना है कि उन्हें न्याय नहीं मिलेगा या तो चीफ जस्टिस अपने रवैये में सुधार करें या फिर हमारे मामलों की सुनवाई कोई और करे। उन्हें(पाकिस्तानी फौज और सरकार) को लगता है कि मेरी पार्टी कमजोर है, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए की मेरी पार्टी के पास सबसे मजबूत वोटिंग बेस है।

ईसा बोले- मैं नहीं करता फैसला की किसको कौनसा केस मिलेगा: मुख्य न्यायाधीश ईसा ने पीटीआई के एक मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि विभिन्न मामलों की सुनवाई के लिए गठित पैनल उनके द्वारा नहीं बल्कि अदालत के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों की एक समिति द्वारा गठित किए जाते हैं और वह सिर्फ तीन सदस्यों में से एक हैं।

दरअसल, खान और ईसा के बीच में एक दूसरे पर अविश्वास का पुराना इतिहास रहा है, खान के प्रधानमंत्री रहते ईसा को न्यायाधीश पद से हटाने के लिए खान द्वारा एक शिकायत की गई थी, जिसके नतीजे के रूप में ईसा और उनकी पत्नी को एक कठिन न्यायिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ा और बाद में पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज कर दिया था।

खान के ऊपर इस समय कई केस चल रहे हैं, जिसमें से मुख्य रूप से अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में उनके और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के ऊपर रिश्वत के रूप में अरबों रुपये की जमीन लेने का आरोप है।

शहबाज सरकार की बैठक में शामिल होगी इमरान खान की पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी हाल के महीनों में सुरक्षा बलों के खिलाफ विद्रोहियों की तरफ से किए गए हमलों में बढ़ोत्तरी के बाद आतंकवादियों के खिलाफ नए अभियान के संबंध में आधिकारिक परामर्श बैठक में भाग लेगी। बता दें कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले महीने देश में आतंकवाद के ज्वार को रोकने के लिए ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम शुरू करने की घोषणा की थी। हालांकि, नए सैन्य हमले के विचार को इमराम खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समेत कई राजनीतिक दलों से ठंडी प्रतिक्रिया मिली। वहीं नए अभियान के बारे में आलोचना को कम करने और व्यापक समर्थन हासिल करने के लिए, शहबाज सरकार ने नई सैन्य रणनीति के बारे में सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेने और आतंकवादियों के खिलाफ नए अभियान पर एक सर्वदलीय सम्मेलन (एपीसी) आयोजित करने का फैसला किया है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में एक मामले की सुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान इमरान खान ने घोषणा की कि पीटीआई के नेता पर्यवेक्षक के तौर पर सम्मेलन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, यह राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है और हम देश की खातिर सम्मेलन में शामिल होंगे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।